भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

5 नवम्बर- 11 नवम्बर 2025

jagrukjanta.net

कार्तिक, पक्ष - शुक्ल, तिथि - पूर्णिमा, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-36, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

दीपावली पर बने तोरण द्वार हटाने के बाद क्यों नहीं भरे जा रहे गड्ढे?

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

कहते हैं कि ठोकर खाने के बाद समझदार आदमी संभल जाता है और एक बार की गलती को दुबारा नहीं दोहराता। मगर हमारे देश में चाहे कितनी भी ठोकर लग जाए, मगर लोगों की मानसिकता बदलने का नाम ही नहीं लेती। हम समाचारों में पढ़ते भी है और टीवी पर देखते भी हैं कि खेतों में बोरवेल के गड्ढों को भरा नहीं जाता और बोरवेल के गड्ढों में कई मासूमों के गिर जाने से जान जा चुकी है। मगर, फिर भी लोग खेतों में बोरवेल के गड्ढों को खुला छोड़ देते हैं और कोई बालक फिर से दुर्घटना का शिकार हो जाता है। ठीक इसी प्रकार शहरों और कस्बों में अभी दीपावली पर सजावट के दौरान तोरण द्वार बनाए गए हैं। ये तोरण द्वार अब हटने लगे हैं। कई जगह तो हट चुके हैं और कई जगह इन्हें हटाया जा रहा है। बात अगर जयपुर शहर की करें तो अभी जिन जगहों से तोरण द्वार हटाए जा चुके हैं वहां पर बांस गाड़ने के लिए जो गड्ढे खोदे गए थे, उनको वैसे के वैसे ही खुला छोड़ दिया गया है। ऐसा दृश्य कई जगह देखने को मिला। तोरण द्वार बनाने वालों के दिमाग में यह क्यों नहीं आता कि खोदे गए इन गड्ढों को भी हमें हाथोंहाथ भर देना चाहिए। ताकि कोई इन गड्ढों से दुर्घटनाग्रस्त नहीं हो। मगर, जिन्होंने भी ये तोरण द्वार बनाए हैं उनका काम खत्म होने के बाद चाहे कोई भी दुर्घटनाग्रस्त हो जाए उनकी बला से। किसी पैदल चल रहे आदमी का पैर उसमें फंस सकता है, हड्डी टूट सकती है, किसी जानवर का भी पैर उसमें फंस सकता है वह भी घायल हो सकता है। क्या ये ऐसे सजावट करने और कराने वालों की जिम्मेदारी नहीं है जो वे किसी के घायल होने का खुला आमंत्रण देकर चले जा रहे हैं। ये बड़े-बड़े पैसे और प्रतिष्ठान वाले अपना प्रचार करने के लिए इस तरह के तोरण द्वार तो बना लेते हैं और किसी अन्य को घायल करने के लिए गड्ढा खोदकर चले जाते हैं। इस तरह की लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार होगा। नगर निगम का इस ओर ध्यान क्यों नहीं जाता। क्या नगर निगम और जेडीए इन मार्गों की देखरेख नहीं करते। क्यों नहीं ये इस तरह की लापरवाही करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं। संबंधित अधिकारियों को चाहिए कि इस तरह की लापरवी करने वालों को दंडित किया जाए, ताकि ये इस तरह की लापरवी नहीं बरतें।

shivdayalmishra@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हो रहा खाद्य सुरक्षा का विस्तार 69.50 लाख से अधिक नए पात्र लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत मिला लाभ

सामाजिक न्याय और पारदर्शिता की दिशा में राजस्थान ने रचा इतिहास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार खाद्य सुरक्षा से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने सामाजिक न्याय और पारदर्शिता को साकार करने की दिशा में अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज की है। प्रदेश में जनसंख्या के अनुपात में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत लगभग 4.46 करोड़ लाभार्थियों की सीमा निर्धारित है। यह सीमा पूर्ण हो जाने के कारण नए पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभाग ने यह सुनिश्चित किया कि पात्र हकदारों को खाद्य सुरक्षा का अधिकार मिले। इसी दिशा में अपात्र लाभार्थियों को सूची से हटाने और नए पात्र लोगों को जोड़ने का व्यापक कार्य किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 26 जनवरी 2025 को खाद्य सुरक्षा पोर्टल को पुनः शुरू किया। इसके बाद से अब तक लगभग 69 लाख 50 हजार नए पात्र लाभार्थियों को एनएफएसए में जोड़ा जा चुका है। यह प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा उपलब्धियों में से एक है, जिससे वंचित वर्गों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है।

'गिव अप अभियान' बना NFSA विस्तार का सशक्त साधन

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ "गिव अप अभियान" इस ऐतिहासिक उपलब्धि में प्रमुख रूप से सहायक सिद्ध हुआ है। 1 नवम्बर 2024 को आरंभ हुए इस अभियान का उद्देश्य अपात्र लाभार्थियों को सूची से बाहर कर पात्र वंचितों को लाभ दिलाना था। प्रदेशभर में 41.95 लाख से अधिक अपात्र लोगों द्वारा स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़कर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया गया। साथ ही, 27 लाख से अधिक व्यक्ति ई-केवाईसी नहीं करवाने के कारण स्वतः सूची से बाहर हो गए, जिससे नए पात्र लाभार्थियों के लिए स्थान उपलब्ध हुआ। यह अभियान अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा में 10 लाख नए लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया था, जिसे अल्प समय में ही पूरा कर लिया गया।

सरल प्रक्रिया, पारदर्शी वितरण

राज्य सरकार द्वारा पात्र वंचितों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब जिला कलेक्टर को भी एनएफएसए सूची में नए लाभार्थियों को सम्मिलित करने का अधिकार दिया गया है। साथ ही, सक्षम लाभार्थी www.food.rajasthan.gov.in पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपना नाम सूची से हटवा सकते हैं। इससे पारदर्शिता और न्यायसंगतता सुनिश्चित हुई है। मुख्यमंत्री की इस पहल से पात्र वंचितों को न केवल खाद्य सुरक्षा प्राप्त हो रही है, बल्कि उन्हें प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं, मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना में 450 रुपये की दर से प्रतिवर्ष 12 गैस सिलेंडर, मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना में 5 लाख रुपये का निशुल्क बीमा और मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में निशुल्क चिकित्सा सुविधा जैसी अन्य योजनाओं का लाभ भी प्राप्त हो रहा है।

'सशक्त राजस्थान-समृद्ध राजस्थान' की दिशा में ऐतिहासिक कदम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी नीतियों के चलते राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का यह विस्तार न केवल राज्य की प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है, बल्कि सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और समान अवसर की भावना को साकार करने वाला ऐतिहासिक कदम है। राजस्थान सरकार की यह पहल 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को मूर्त रूप दे रही है।

बिलासपुर में पैसेंजर ट्रेन-मालगाड़ी से भिड़ी, 9 मरे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को बिलासपुर स्टेशन के पास एक यात्री ट्रेन और मालगाड़ी के बीच टक्कर हो गई, जिसमें समाचार लिखे जाने तक कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में कई अन्य लोग घायल हो गए, और कुछ यात्री अभी भी ट्रेन के एक डिब्बे के नीचे फंसे हुए हैं। उधर, रेलवे प्रशासन ने घोषणा की है कि मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल यात्रियों को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

मालगाड़ी के ऊपर चढ़ी पैसेंजर ट्रेन

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शाम करीब 4 बजे हुई, जब MEMU (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) पैसेंजर ट्रेन पड़ोसी कोरबा जिले के गेवरा से बिलासपुर की ओर जा रही थी। उन्होंने कहा कि जब ट्रेन गटौरा और बिलासपुर रेलवे स्टेशनों के बीच थी, तभी यह पैसेंजर ट्रेन पीछे से एक मालगाड़ी से जा टकराई।

9 यात्रियों की मौत

बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बताया, "अब तक इस हादसे में चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। दो अन्य यात्री अब भी फंसे हुए हैं और उन्हें बचाने के प्रयास जारी हैं।" घायलों को बिलासपुर के अपोलो अस्पताल और छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (CIMS) अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भारत तेजी से बढ़ती विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था-राष्ट्रपति मुर्मु

नैनीताल @ जागरूक जनता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था विश्व में तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निरंतर प्रगति करे, इसके लिए केन्द्र सरकार कई नीतिगत कदम उठा रही है। मुर्मु ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार के कदमों से युवाओं के लिये भी अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि इन अवसरों का लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं के प्रशिक्षण के लिये भी समुचित कदम उठाये जाने चाहिए, ताकि युवा उनका भरपूर उपयोग कर सकें। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा से कमाये धन को वंचित वर्ग और देश की सेवा के लिये दान करना चाहिए। यही सच्चा धर्म है। उन्होंने कहा, "अन्न दानं परम दानं, विद्या दानमतः परम। अन्नेन क्षणिका तृप्तिः यावज्जीवं च विद्यया।। अर्थात् विद्या दान अन्न दान से श्रेष्ठ दान है और उससे जीवन भर परम संतुष्टि मिलती है। "

भारत और श्रीलंका के बीच जुड़ाव नई ऊँचाइयाँ प्रदान करेगा-बिरला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और जन-जन के स्तर पर जुड़ाव दोनों देशों की साझी विरासत को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करता है। बिरला ने श्रीलंका के विपक्ष के नेता सजिथ प्रेमदासा का भारतीय संसद में स्वागत किया और इसे दोनों लोकतांत्रिक देशों के गहरे और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और जन-जन के स्तर पर जुड़ाव दोनों देशों की साझी विरासत को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करता है। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत की ' नेबरहुड फर्स्ट' नीति और 'सागर विजन' में श्रीलंका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है जो क्षेत्रीय सहयोग और स्थिरता को सशक्त करती है। दोनों देशों के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्य और बहुदलीय प्रणाली लोकतांत्रिक संवाद की सशक्त आधारशिला है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष की पत्नी को श्रद्धासुमन अर्पित किए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के अजमेर स्थित निवास पर पहुंचकर उनकी धर्मपत्नी स्व. इन्दिरा देवनानी की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शर्मा ने देवनानी व परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

साल 1983 ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित किया। हमारी महिला क्रिकेट टीम ने भी देश भर में अनगिनत युवा लड़कियों को बैट और बॉल उठाने के लिए प्रेरित किया है।-सचिन तेंडुलकर, दिग्गज क्रिकेटर

तिरंगा

रहेगा सबसे ऊपर हमारा

WONDER GIRLS

स्मृति मंधाना *उम्र: 29*

ODI: 117
रन: 5322
हाईएस्ट: 136
ऐवरेज: 48.38
100/50: 14/34

स्मृति मंधाना ने 13 साल की उम्र में महाराष्ट्र की सीनियर टीम के लिए डेब्यू कर लिया था और 16 साल की उम्र में कप्तानी भी संभाल ली थी। इसी साल (2013) भारत की ओर से भी उन्हें डेब्यू का मौका मिला। अब यह सिलसिला 117 वनडे तक पहुंच चुका है।

ओपनिंग बैटर

प्रतिका रावल *उम्र: 25*

ODI 24
रन 1110
हाईएस्ट 154
ऐवरेज 50.45
100/50: 2/7

दिल्ली के जीसस एंड मेरी कॉलेज की मनोविज्ञान स्नातक प्रतिका रावल भारत की सबसे भरोसेमंद ऑलराउंडरो में से एक बन चुकी है। चोट लगने के कारण वह नॉक आउट मैच नहीं खेल पाई, लेकिन लीग स्टेज में एक बड़े शतक के साथ गहरा प्रभाव छोड़ा।

ओपनिंग बैटर

जेमिमा रोड्रिग्स *उम्र: 25*

ODI 59
रन 1749
हाईएस्ट: 127*
ऐवरेज 34.98
100/50 3/8

महज 13 साल की उम्र में मुंबई की अंडर-19 टीम में शामिल हो गई। 2017 में डोमेस्टिक अंडर-19 वनडे ट्रोफी में दोहरा शतक जड़ने वाली केवल दूसरी प्लेयर बनी। 2018 में टीम इंडिया से बुलावा आया और फिर वह धीरे-धीरे हर फॉर्मेट में टीम की सदस्य बन गई।

बैटर

हरलीन देओल *उम्र: 27*

ODI 37
रन 1050
हाईएस्ट 115
ऐवरेज 32.81
100/50: 1/4

चंडीगढ़ में जन्मी और हिमाचल में पली-बढ़ी हरलीन देओल ने अपने भाई को देखकर क्रिकेट खेलना शुरू किया। साल 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में बाउंड्री लाइन पर उनके सनसनीखेज कैच ने उन्हें रातों-रात इंटरनेट सेंसेशन बना दिया था।

बैटर

हरमनप्रीत कौर *उम्र: 36*

ODI 161
रन 4409
हाईएस्ट 171*
ऐवरेज 37.05
100/50: 7/22

हरमनप्रीत के पिता क्रिकेट और बास्केटबॉल खिलाड़ी थे, जिन्होंने अपनी बेटी को क्रिकेट में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। हरमन पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं जिन्होंने बिग बैश लीग में हिस्सा लिया। उन्हें 2017 में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

ऑलराउंडर

दीप्ति शर्मा *उम्र: 28*

ODI 121
रन 2739
हाईएस्ट 188
ऐवरेज 37.01
विकेट: 162

आगरा के एक मध्यवर्गी परिवार से आने वाली दीप्ति ने कई सामाजिक बाधाओं को पार कर टीम इंडिया में जगह बनाई। टीम की इस स्टार ऑलराउंडर ने इस वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द सीरीज की ट्रोफी भी जीती।

ऑलराउंडर

ऋचा घोष *उम्र: 22*

ODI 51
रन 1145
हाईएस्ट 96
ऐवरेज 29.35
100/50: 0/7

सिलीगुड़ी की रहने वाली ऋचा घोष भारतीय टीम की सबसे निडर बल्लेबाज़ हैं। जिले में लड़कियों की कोई क्रिकेट टीम नहीं थी ऐसे में लड़कों के साथ उन्होंने खेलना शुरू किया और यही से फास्ट बोलर्स को खेलने की हिम्मत आई।

विकेटकीपर बैटर

अमनजोत कौर *उम्र: 25*

ODI 16
रन 244
हाईएस्ट 57
ऐवरेज 22.18
विकेट 19

एक बढ़ई (कार्पेंटर) परिवार की बेटी अमनजोत कौर ने हैंडबॉल खेलना शुरू किया था, लेकिन जल्द ही क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित कर लिया। 2023 में वनडे डेब्यू करने के बाद उन्होंने तेजी से खुद को टीम की अहम खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया।

ऑलराउंडर

स्नेह राणा *उम्र: 31*

ODI 44
रन 380
हाईएस्ट 53*
ऐवरेज 16.52
विकेट: 57

देहरादून की स्नेह राणा ने वर्ल्ड कप के अपने तीसरे एडिशन में लीग चरण के दौरान विकेट लेने की क्षमता और अहम मौकों पर कुछ रन जुटाने की उनकी काबिलियत से टीम को संकट से निकाला। टीम कॉम्बिनेशन के कारण नॉक आउट में नहीं खेल सकी।

ऑलराउंडर

शेफाली वर्मा *उम्र: 21*

ODI 31
रन 741
हाईएस्ट: 87
ऐवरेज: 24.70
100/50: 0/5

रोहतक की बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने भारत के लिए सिर्फ 15 साल की उम्र में डेब्यू किया था। शुरुआत में उन्हें 15 सदस्यीय वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिली। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। फाइनल में शेफाली ने मैच विनिंग पारी खेली।

ओपनिंग बैटर

श्री चरणी *उम्र: 21*

ODI: 18
विकेट:23
बेस्ट: 3/41
ऐवरेज: 36.65
5w/4w: 0/0

आंध्र प्रदेश के इरामाल्ली गांव की रहने वाली श्री चरणी ने इस वर्ल्ड कप में अपनी जगह मजबूती से बनाई। एक लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर के रूप में उनकी लाइन और लेंथ पर पकड़ ने इस वर्ल्ड कप में विरोधी टीमों को खूब परेशान किया।

बोलर

राधा यादव *उम्र: 25*

ODI:14
विकेट: 13
बेस्ट बोलिंग: 4/69
ऐवरेज: 50.92

मुंबई के एक साधारण परिवार में जन्मी राधा यादव के पिता सब्जी बेचा करते थे। एक लेफ्ट-आर्म स्पिनर के अलावा राधा अपनी चुस्त फील्डिंग के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की स्टार बल्लेबाज एलिसा पेरी का अहम विकेट लिया।

ऑलराउंडर

रेणुका सिंह ठाकुर *उम्र: 29*

ODI: 27
विकेट: 41
बेस्ट बोलिंग: 5/29
ऐवरेज: 25.89

हिमाचल की रेणुका जब केवल तीन साल की थी, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। रेणुका ने अपने पिता की याद में अपनी कलाई पर पिता के साथ खेलती हुई बेटी का टैटू बनवाया है। रेणुका का क्रिकेटर बनना उनके पिता का सपना था, जिसे उन्होंने पूरा किया।

बोलर

क्रांति गौड़ *उम्र: 22*

ODI: 15
विकेट: 23
बेस्ट बोलिंग: 6/52
ऐवरेज: 28.60

छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश की रहने वाली यह युवा खिलाड़ी अपनी तेज और आक्रामक गेंदबाजी से वर्ल्ड कप की खोज साबित हुई। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में इस पेसर ने अपनी गति से विपक्षी की हार की कहानी लिखी।

बोलर

उमा छेत्री *उम्र: 23*

ODI: 1
बांग्लादेश के खिलाफ मौका मिला लेकिन मैच बारिश में धुल गया

बोकाकाट, असम की रहने वाली उमा छेत्री ने भारत के लिए दूसरी सबसे युवा विकेटकीपर के रूप में वर्ल्ड कप में डेब्यू किया। बांग्लादेश के खिलाफ उन्हें एकादश में मौका मिला लेकिन जब तक उनकी बैटिंग आती बारिश की वजह से मैच धुल गया।

विकेटकीपर बैटर

अरुंधति रेड्डी *उम्र: 28*

ODI:11
विकेट: 15
बेस्ट बोलिंग: 4/26
ऐवरेज 32.66

अरुंधति रेड्डी की मां एक वॉलीबॉल खिलाड़ी थीं और पिता कभी विकेटकीपर बल्लेबाज थे। सिर्फ 12 साल की उम्र में अरुंधति ने क्रिकेट को चुना और माता-पिता दोनों ने उनके करियर को आकार दिया। इस वर्ल्ड कप उन्हें एक भी मैच में मौका नहीं मिला।

बोलर

गॉड्स प्लान!

शेफाली वर्मा को जब सेमीफाइनल के पहले भारतीय वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया, तो उनकी प्रतिक्रिया थी कि यह,'गॉड्स प्लान' (ईश्वर की योजना) है। फॉर्म में चल रही ओपनर प्रतिका रावल के चोटिल होने के कारण सेमीफाइनल से पहले भारतीय टीम में आईं शेफाली फाइनल में फिफ्टी और दो विकेट से साथ 'प्लेयर आफ द मैच' रही। अगस्त में भारत की वर्ल्ड कप टीम का ऐलान करते हुए पूर्व चीफ सिलेक्टर नीतू डेविड ने कहा था कि शेफाली के लिए रास्ते बंद नहीं हुए हैं। प्रतिका के अच्छे प्रदर्शन से शेफाली के लिए राह मुश्किल जरूर हो गई थी, लेकिन प्रतिका की चोट ने ही उनके लिए रास्ते खोल दिए।

विमिंस वनडे वर्ल्ड कप

भारतीय विमिंस क्रिकेट टीम ने 'नौ चक्रव्यूहों' (नौ मैच) की पहेली सुलझाकर वह सिंहद्वार खोल दिया, जहां उसे वह 'स्वर्ण सिंहासन' मिला, जिसको पाने की तमन्ना उसे वर्षों से थी। टीम के 34 दिन के इस अभियान की तैयारी कोई महीने या दो महीने पहले शुरू नहीं हुई थी। यह अभियान कई महीनों से चल रहा था। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल की पिच पर संडे को आधी रात को मिली जीत के बाद टीम की 'रॉकस्टार' जेमिमा रोड्रिग्स ने यह रहस्य साझा किया। जेमिमा ने बताया कि चार साल पहले एक 'टीम सॉन्ग' तैयार किया गया था। यह तब तय किया गया था कि यह गाना सार्वजनिक तभी किया जाएगा, जब हम ट्रोफी जीत लेंगे। विनिंग पिच पर बैट और बॉल से धाक जमाने के बाद टीम ने इसी को म्यूजिक की थाप के लिए इस्तेमाल किया और एक सधे हुए म्यूजिकल ग्रुप की तरह जिस तरह से 'टीम सॉन्ग' पेश किया वह 'हरमन-सेना' का मनोबल दर्शाता है..."कर दें सबकी हवा टाइट... टीम इंडिया इज हयर टु फाइट..कोई ना लेगा हमको लाइट...आवर फ्यूचर इज ब्राइट।' इसी सॉन्ग की आगे की पंक्तियां हैं..."ना लेगा कोई पंगा...कर देंगे हम दंगा...रहेगा सबसे ऊपर हमारा तिरंगा।' विमिंस क्रिकेट में शायद यह पहली बार रहा कि टीम में जोश भरने के लिए और एक रिद्म बनाने के लिए एक सॉन्ग तैयार किया गया। प्लेयर्स और सभी सपोर्ट स्टाफ ने मिलकर जोश के साथ दोहराया,'साथ में चलेंगे, साथ में उठेंगे, हम हैं टीम इंडिया, साथ में जीतेंगे।'

टीम इंडिया का ट्रोफी तक का सफर

भारत की विमिंस वर्ल्ड कप 2025 में खिताबी यात्रा उतार चढ़ाव वाली रही। हालांकि 'विमिन इन ब्लू ने धैर्य और दृढ़ता का दामन थामे रखा और सपनों की नगरी मुंबई में सपने को हकीकत में बदलने की ना भूली जाने वाली कहानी लिख डाली।

श्रीलंका को 59 रन से हराया

स्टार परफॉर्मर: दीप्ति शर्मा

भारत ने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत श्रीलंका पर जीत से की। 124 रन पर 6 विकेट गंवाने के बाद दीप्ति, अमनजोत ने स्कोर 269/8 तक पहुंचाया। दीप्ति ने 3/54 लेकर श्रीलंका को 211 पर समेट दिया।

पाकिस्तान को 88 रन से हराया

स्टार परफॉर्मर: क्रांति गौड़

पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने 247 रन बनाए। इसके बाद क्रांति गौड़ (3/20) ने पहले तीन में से दो विकेट निकालकर पाकिस्तान का स्कोर 26/3 कर दिया और आखिर में 159 रन पर सिमट गई।

साउथ अफ्रीका से मिली हार

स्टार परफॉर्मर: ऋचा घोष

टूर्नामेंट की पहली हार साउथ अफ्रीका के हाथों झेलनी पड़ी। सिर्फ 102 रन पर 6 विकेट गंवा देने के बाद ऋचा घोष ने 77 गेंद पर 94 रन की तूफानी पारी खेलकर टोटल को 251 रन तक पहुंचाया। हालांकि नाडिन डी क्लर्क ने 54 गेंद पर 84 रन ठोककर भारत से मैच छीन लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने भी दिया झटका

स्टार परफॉर्मर: स्मृति मंधाना

भारत ने इस बार 330 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। स्मृति मंधाना (80) और प्रतिका रावल (75) ने पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ने एलिसा हीली (142 गेंदों में 107 रन) के बूते जीत दर्ज कर ली।

इंग्लैंड के हाथों नजदीकी हार

स्टार परफॉर्मर: स्मृति मंधाना

टूर्नामेंट में मिली लगातार तीसरी हार मिली। इंग्लैंड ने हेदर नाइट (109) के शतक की बदौलत 288/8 का स्कोर बनाया। स्मृति मंधाना (88), हरमनप्रीत कौर (70) और दीप्ति (50) ने शानदार

आभार: हरमन ने हेड कोच अमोल मजूमदार के प्रति कुछ तरह से सम्मान प्रकट किया

न्यूजीलैंड को D/L मेथड से हराया

स्टार परफॉर्मर: प्रतिका रावल

'करो या मरो' के मुकाबले में स्मृति मंधाना (109) और प्रतिका रावल (122) ने शानदार शतक जमाए। भारत ने 49 ओवर में 340/3 का स्कोर बनाया। भारत ने बारिश से बाधित मैच को 53 रन से अपने नाम कर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

सेमीफाइनल में यादगार जीत

स्टार परफॉर्मर: जेमिमा रोड्रिग्स

ऑस्ट्रेलिया ने फीबी लिचफील्ड के शतक और एलिस पेरी व एश्ले गार्डनर के अर्धशतकों की मदद से 338 रन बनाए। भारत की शुरुआत खराब रही। जेमिमा रोड्रिग्स (127*) और हरमनप्रीत कौर (89) ने 150 रनों की साझेदारी कर भारत को मजबूती दी। जेमिमा अंत तक डटी रहीं और भारत को कुछ गेंदें शेष रहते ऐतिहासिक जीत दिला दी। यह वर्ल्ड कप नॉकआउट मैचों में अब तक की सबसे बड़ी सफल रन-चेज थी।

फाइनल में सा. अफ्रीका से जीत

स्टार परफॉर्मर: शेफाली वर्मा

ताकतवर स्ट्राइकर शेफाली वर्मा ने 78 गेंद पर 87 रन की दमदार पारी खेलकर विपक्षी टीम को दबाव में डाला। दीप्ति शर्मा (58) और ऋचा घोष (34) ने टोटल को 298/7 तक पहुंचाया। फिर दीप्ति ने पांच विकेट लेकर साउथ अफ्रीका को 246 रन पर रोक दिया।

सौभाग्य न सब दिन सोता है...

भारत के वर्ल्ड कप जीतने की नींव उसी दिन डाली जा चुकी थी, जब शांता रंगास्वामी विमिंस क्रिकेट में सिक्स लगाने वाली पहली भारतीय बनी थीं। भारतीय टीम वनडे फॉर्मेट में दो बार ट्रोफी जीतने के करीब पहुंची,लेकिन आखिरी बाधा नहीं पार कर सकी। टी20 वर्ल्ड कप में भी यही कहानी रही, लेकिन जैसा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने 'रश्मिरथी' में लिखा है, 'सौभाग्य न सब दिन सोता है...।' भारतीय टीम ने अपनी मेहनत से आखिरकार अपनी किस्मत बदल ही डाली। एक नजर उन तीन पहलुओं पर डालते हैं जिससे टीम इंडिया इस बार ट्रोफी जीतने में सफल रही।

1 **अटैकिंग अंदाज:** भारतीय विमिंस टीम अटैकिंग खेल के लिए नहीं जानी जाती रही है। इस बार उसने अपनी इस छवि को पूरी तरह बदल दिया। फिनिशर के रोल में ऋचा घोष ने 133.52 स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। भारतीय टीम का टूर्नामेंट में स्ट्राइक रेट 93.79 रहा। यह वर्ल्ड कप 2025 में सिर्फ ऑस्ट्रेलिया (101.24) से कम रहा।

2 **बाउंड्रीज की बौछार:** भारतीय टीम का बैटिंग ऐवरेज (40.96) सिर्फ ऑस्ट्रेलिया (41.02) से कम रहा। टीम ने टूर्नामेंट कुल 35 सिक्स लगाए जो साउथ अफ्रीका के साथ जॉइंट बेस्ट है। ऋचा घोष ने 12 सिक्स लगाए जो विमिंस वनडे वर्ल्ड टूर्नामेंट इतिहास में जॉइंट बेस्ट है। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट कुल 248 फोर लगाए, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया ने 212 फोर लगाए।

3 **स्पिनर्स की 'फिफ्टी':** भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में कुल 69 विकेट लिए। यह टूर्नामेंट में किसी द्वारा लिए गए सर्वाधिक विकेट हैं। भारत की जीत में सबसे बड़ी भूमिका स्पिनर्स ने निभाई। कुल 69 विकेट में से स्पिनर्स ने 51 विकेट लिए है।

हरमन की अमोल जीत की कहानी है यह

फरवरी 1988 की बात है। मुंबई के दो किशोर, सचिन तेंडुलकर और विनोद कांबली, क्रिकेट जगत में एक सनसनी बनकर उभरे। शारदा आश्रम स्कूल के लिए खेलते हुए उन्होंने प्रतिष्ठित हैरिस शील्ड टूर्नामेंट में 664 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी कर दी। इसी रेकॉर्डतोड़ पार्टनरशिप के दौरान, ड्रेसिंग रूम में एक और प्रतिभाशाली किशोर बैटर पैड पहनकर अपनी बारी का इंतजार करता रहा। उसका नंबर नहीं आया। वह थे अमोल मजूमदार। अमोल को मौके न मिलने की यह 'दास्तान' यहीं खत्म नहीं हुई।

अनमोल साझेदारी: अमोल ने साल 2013 में कोचिंग का रुख किया। अंडर-19, अंडर-23 टीम, नीदरलैंड्स, मुंबई रणजी टीम और IPL में राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों को संवारने का अनुभव लेकर, अमोल दो साल पहले भारतीय टीम के साथ जुड़े।

सबसे बड़ा सम्मान: जीत के बाद हरमन ने 'गुरु' अमोल के पैर छूए और भावुक होकर गले लगकर रो पड़ीं। इसी महीने अपना 51वां जन्मदिन मनाने जा रहे अमोल ने बताया, 'मैं टीम से यही कहता था कि हम हार नहीं रहे हैं। बस उस बाधा को पार करने से चूक जा रहे हैं।'

एक रन का मंत्र: आलोचनाओं के बीच भी प्लेयर्स के लिए खड़े रहने से एक ऐसा विश्वास का रिश्ता बना, जिसकी परिणिति खिताब के रूप में 'गुरुदक्षिणा' के साथ हुई। उन्होंने टीम को सूत्रवाक्य दिया, 'बस यही सोचो कि हमें विपक्षी से सिर्फ एक रन ज्यादा बनाना है।'

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026

राजनैतिक दलों द्वारा नियोजित 1,00,735 बूथ लेवल एजेंट भी कर रहे हैं सहयोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम यानि एसआईआर के तहत 199 विधानसभा क्षेत्रों में 52,222 बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरवाने का कार्य प्रारंभ कर चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने बताया कि प्रदेश में अंता विधानसभा क्षेत्र को छोडते हुए कुल 52,222 बूथों के लिए 5407 सुपरवाईजर भी इनकी सहायतार्थ कार्य कर रहे हैं। 854 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ-साथ एसआईआर गतिविधि के चलते भारत निर्वाचन आयोग से 119 अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को भी नोटिफाइड करा दिया गया है। इस तरह से अब राज्य में कुल 973 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एसआईआर के कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इनके साथ ही 199 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 41 उप जिला निर्वाचन अधिकारी, 10 अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी एवं 41 जिला निर्वाचन अधिकारी सहित वृहद प्रशासनिक तंत्र सतर्कता के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लगा हुआ है। जिससे समयबद्ध पूर्ण की जाने वाली इस गतिविधि को मतदाताओं की सहुलियत के अनुसार पूरा किया जा सके।

राजनैतिक दलों का भी मिल रहा है सहयोग

महाजन ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट यानि बीएलए-1 एवं बीएलए-2 भी एसआईआर कार्यक्रम में सहयोग कर रहे हैं। प्रदेश में अब तक भारतीय जनता पार्टी के 47555, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 51193, बहुजन समाज पार्टी के 104, सीपीआईएम के 675, आम आदमी पार्टी के 91, आरएलपी के 110 और भारत आदिवासी पार्टी के 1007 को शामिल करते हुए कुल 1,00,735 बूथ लेवल एजेंट नियोजित किए जा चुके हैं, जिससे आम जन के बीच विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए जागरूकता लाने में सहयोग प्राप्त हो रहा है। राज्य में निर्वाचन विभाग द्वारा इनका आमुखीकरण कार्यक्रम भी जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने राज्य के मतदाताओं से अपील की है कि हर योग्य मतदाता 4 दिसंबर तक अपनी एक नवीनतम रंगीन फोटो एवं आवश्यक सूचनाओं के साथ भरा हुआ गणना प्रपत्र अपने बीएलओ को जमा करा कर स्वच्छ एवं सही मतदाता सूची निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें एवं लोकतंत्र के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करें।

वॉलन्टीयर्स एवं हेल्पडेस्क कार्मिक भी जुटे एसआईआर में

महाजन ने बताया कि मतदाताओं की सहायता हेतु बीएलओ के साथ-साथ प्रत्येक बूथ पर वॉलन्टीयर्स भी लगाए गए हैं, जिनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, राजीविका सखी, एएनएम, साक्षरता प्रेरक, ग्राम पंचायत के कार्मिक, एनएसएस, एनसीसी के छात्र छात्राओं को सम्मिलित किया गया है। इनके लिए आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे ये गणना चरण के दौरान मतदाताओं की मैपिंग करने, बीएलओ विजिट की सूचना देने एवं गणना प्रपत्र भरवाने में सहयोग देने का कार्य तत्परता से कर सके।

'ग्राम-2026' आधुनिक कृषि की दिशा में राजस्थान की बड़ी पहल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में मंगलवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 की अंतर विभागीय कोर ग्रुप और FICCI अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्राम 2026 के लिए संबंधित विभागों द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त करने, कार्यात्मक समितियों का गठन, समितियों के अधिकारियों का विभागवार नामांकन, अन्य विभागों की भूमिका और जिम्मेदारियों, विभागीय प्रदर्शनियों, सेमिनारों एवं बैठकों की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने बताया कि सभी विभाग ग्राम 2026 के आयोजन में अपनी अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण सतर्कता से समय पर पूरा करें एवं कार्यक्रम में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 का आयोजन भव्य रूप से जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर जेईसीसी सीतापुरा, जयपुर में किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक सांझा मंच पर ला कर कृषि क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी की प्रगति और निवेश को प्रोत्साहित करना है। शासन सचिव ने बताया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट में प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों से 50 हजार किसान भाग लेंगे।

ग्राम 2026 में ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीकी आधारित कृषि प्रणाली, मूल्य संवर्धन और निर्यातोन्मुख उत्पादन को बढ़ावा देना है इसके तहत किसानों को नवीनतम कृषि उपकरणों, फसल प्रबंधन और कृषि विपणन से संबंधित संपूर्ण जानकारियां साझा की जायेगी। राजस्थान के लिए कृषि क्षेत्र में उपयोगी विश्व स्तरीय तकनीकी हस्तानांतरण हेतु विदेशों में रोड शो आयोजित किये जायेंगे। 'किसान सशक्तीकरण ही ग्रामीण विकास की पूंजी है'। इसी ध्येय के साथ ग्राम एग्रीटेक मीट के माध्यम से राज्य सरकार खेती को व्यावसायिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने, कृषि निर्यात बढ़ाने और ग्रामीण युवाओं को कृषि उद्यमिता की ओर प्रेरित करने के लिए एक ठोस पहल है। बैठक में आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी चिन्मयी गोपाल, निदेशक जल गृहण विकास एवं भू-जल संरक्षण विभाग मुहम्मद जुनैद पीपी, प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य बीज निगम लिमिटेड अरविंद शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) अजय कुमार पचौरी सहित संबंध विभागों एवं FICCI के अधिकारी मौजूद रहे।

सक्षम जयपुर अभियान एवं बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ अभियान के तहत चौमूं के हाड़ौता में गुरुवार को होगी 'नारी चौपाल'

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार सक्षम जयपुर अभियान एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जयपुर जिले के प्रत्येक उपखंड पर नारी चौपाल आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में 6 नवंबर को चौमूं के हाड़ौता स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में चौपाल होगी। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने नारी चौपाल के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं एवं आयोजन में अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किये हैं।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं प्रशिक्षु आईएएस मृणाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त एवं जागरूक बनाना है। नारी चौपाल में महिलाओं को सरकार की योजनाओं, अधिकारों और कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी, साथ ही उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना जाएगा। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि मंगलवार को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक चलने वाली चौपाल में नुक्कड़ नाटक, मारवाड़ी गीत, आत्मरक्षा प्रशिक्षण सहित अन्य गतिविधियां आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। नारी चौपाल के माध्यम से समाज में लिंगानुपात सुधार, महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने, तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संवाद किया जाएगा। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं, नियमों और अधिनियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि समतामूलक समाज का निर्माण हो सके। नारी चौपाल कार्यक्रमों में महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा, शिक्षा, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। ये अधिकारी महिलाओं के साथ सीधा संवाद कर उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पोषण, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को प्रेरित करने के लिए सफलता की कहानियाँ और अनुभव भी साझा किए जाएंगे। साथ ही चौपाल स्थल पर योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सहायता काउंटर भी लगाए जाएंगे, ताकि महिलाओं को मौके पर ही आवश्यक जानकारी और सहयोग मिल सके। नारी चौपाल महिलाओं के लिए केवल संवाद का मंच नहीं होगा, बल्कि यह उन्हें आत्मविश्वास, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने का अवसर भी प्रदान करेगा।

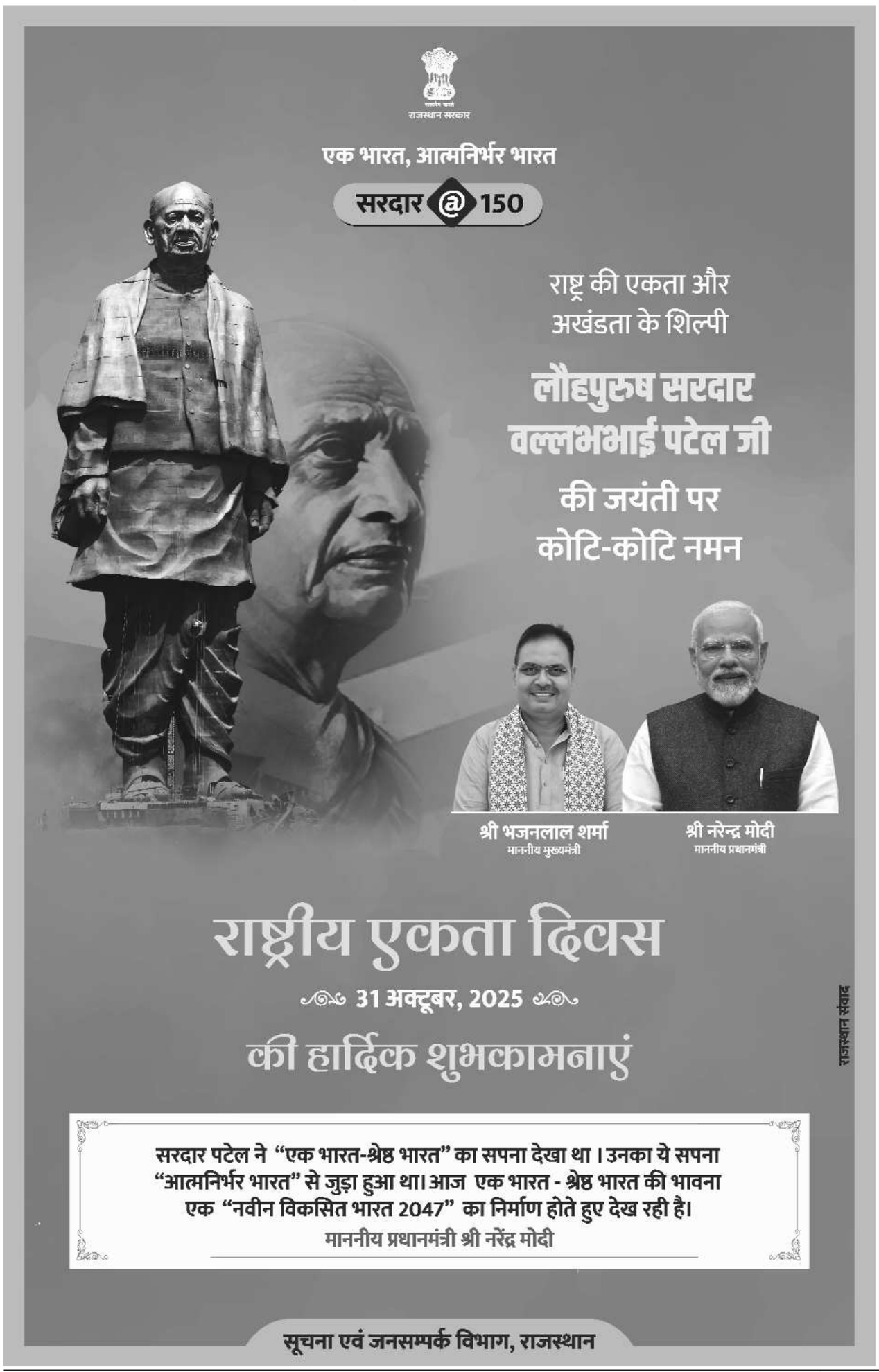

सम्पादकीय

भारत-अमेरिका समझौता जरूरी

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग दो घंटे से भी कम समय तक चली अल्पकालिक बैठक के बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव से निपटने और शांति कायम करने पर सहमत हो गए। इसमें अमेरिका के लिए और खास तौर पर ट्रंप के लिए शायद ही फायदे की कोई बात थी। बल्कि इससे शी की वह बात सही साबित हो गई कि वह व्यापार के मामले में रत्ती भर समझौता नहीं करेंगे। अपनी दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर लगाए प्रतिबंध और लाइसेंसिंग की जरूरतें खत्म करने के बदले चीन भारी-भरकम शुल्क टालने में कामयाब रहा है। इस तरह सबंधों में कुछ नया नहीं हुआ है बल्कि ठहराव भर आया है। यह बराबरी का लेनदेन भी नहीं है क्योंकि निर्यात प्रतिबंध तो तब लगाए गए थे, जब अमेरिका ने शुल्क बढ़ाए थे।

चीन ने अमेरिकी किसानों से 2.5 करोड़ टन सोयाबीन खरीदने पर भी सहमति जताई। परंतु यह मात्रा पिछले साल यानी ट्रंप के राष्ट्रपति बनने और कारोबारी जंग छेड़ने के पहले की गई खरीद से कम है। चीन इसके बदले अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात पर 100 फीसदी का दंडात्मक शुल्क नहीं देगा। नई शुल्क दर 47 फीसदी होगी जो अब भी बहुत अधिक है लेकिन भारत पर लगे शुल्क से कम है। दूसरे शब्दों में कहें तो चीन ने ट्रंप के हाथों कुछ गंवाए बगैर अपने ऊपर लगा शुल्क आधा करवा लिया। दुर्लभ धातुओं और चुंबकीय तत्त्वों के निर्यात पर प्रतिबंधों को रोका जाना दुनिया के कई देशों के लिए राहत की बात है। इनमें यूरोपीय संघ और भारत भी शामिल हैं जो दोनों महाशक्तियों की लड़ाई में फंस गए हैं। शी चिनफिंग ने नपे-तुले तरीके से जता दिया कि इन धातुओं के बगैर उच्च तकनीक पर आधारित कोई भी निर्माण नहीं हो सकता और दुनिया को अगर इनकी जरूरत है तो देशों के पास चीन के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।इसके लिए जल्द ही अतिरिक्त स्रोत विकसित करने होंगे लेकिन तथ्य यह है कि इस आपूर्ति श्रृंखला में चीन के दबदबे को 2010 से ही महसूस किया जा रहा है, जब इसने जापान के विरुद्ध ऐसे ही प्रतिबंधों का इस्तेमाल? किया था। इसे हल करने के लिए राष्ट्रीय या बहुराष्ट्रीय स्तर पर कोई कदम नहीं उठाए गए। शी ने अपना तुरुप का पत्ता दिखा दिया है और अब उसकी टक्कर तैयार करने का वक्त आ गया है। दोनों देशों के बीच शांति का मतलब भारत के लिए यह होगा कि उसके निर्यातकों पर अमेरिका का ऊंचा यानी 50 फीसदी का शुल्क झेलना होगा। भारत के मुकाबले चीन के साथ समझौता करने की बेताबी अमेरिका में ज्यादा दिखी लेकिन अगर शर्तें अधिक आकर्षक बनाई गईं तो हालात बदल सकते हैं। अगर प्रधानमंत्री अपनी व्यक्तिगत कूटनीति का प्रयोग करें तो ऐसा हो सकता है। निश्चित तौर पर एक या दो ऐसे संकेतक हैं जो बताते हैं कि द्विपक्षीय रिश्ते इतने नहीं बिगड़े हैं कि सुधर न सकें। उदाहरण के लिए अमेरिका ने ईरान के रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह पर लगे प्रतिबंधों से भारत को दी गई छूट पहले रोक दी थी मगर अब पता चला है कि उस छूट को छह महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा पिछले सप्ताह भारत और अमेरिका ने रक्षा सहयोग पर एक दशक लंबा समझौता भी किया। इससे साफ है कि दोनों देशों की साझेदारी में भरोसा रखने वाले लोग अब भी मिलकर काम कर सकते हैं। यही जज्बा अब व्यापार में भी लाना पड़ेगा। भारत पर ऐसे शुल्क लगने की कोई वजह ही नहीं है। बताया जा रहा है कि भारतीय पक्ष अमेरिका के वार्ताकारों से लगातार संपर्क में है और दोनों देशों को सारे पुराने मसले फौरन सुलझाकर एक-दूसरे के लिए फायदेमंद व्यापारिक समझौता कर लेना चाहिए।

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे
जागरूकता माह अक्टूबर 2025

मणिमाला शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारत में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति

प्रमुख आँकड़े (NMHS – NIMHANS, 2015-16)

- 13.7% वयस्क आबादी ने जीवन में किसी मानसिक विकार का अनुभव किया।
- 10.6% लोग वर्तमान में मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं।
- 85% लोग इलाज तक नहीं पहुँच पाते।
- ग्रामीण क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बेहद सीमित।

(स्रोतः स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)

वैश्विक परिप्रेक्ष्य (WHO, 2025)

- 1 अरब से अधिक लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त।
- हर पाँच में से एक व्यक्ति अवसाद या चिंता से प्रभावित।
- हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है।

(स्रोतः World Health Organization, 2025)

जब मन की खामोशी समाज की सबसे बड़ी चीख बन जाती है

"जिस मन को हम नज़रअंदाज़ करते हैं, वही सबसे ज़्यादा मदद चाहता है"

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

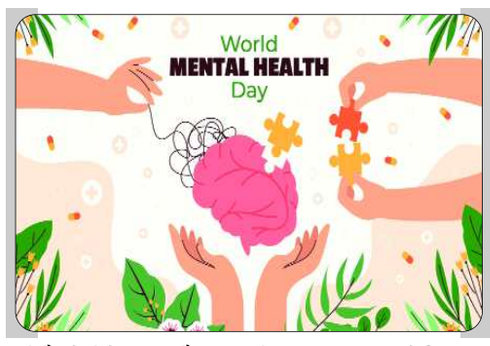

हाल में "वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे" गया है और पूरे महीने हमारे मानसिक स्वास्थ्य को कैसे स्वस्थ रखा जाए; इसी से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। हर साल 10 अक्टूबर को "वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे" मनाया जाता है और पूरे माह मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता माह मनाया गया था। ताकि लोगों को मानसिक स्वास्थ्य और शांति के प्रति जागरूक किया जाए। यह दिन हमें याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि हमारे जीवन का मूल आधार है। इस वर्ष का विषय "मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार" (Mental Health is a Universal Human Right) यह संदेश देता है कि स्थिर मन और सुरक्षित सोच हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है।

अदृश्य महामारी

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, दुनिया में 1 अरब से अधिक लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।
- हर पाँच में से एक व्यक्ति चिंता या अवसाद से प्रभावित है, लेकिन केवल आधे लोग ही उपचार तक पहुँच पाते हैं। क्योंकि किसी को पता ही नहीं चलता है कि वे किस बीमारी से ग्रसित हैं ।
- भारत में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वे (NIMHANS, 2015-16) बताता है कि 13.7% वयस्क आबादी किसी न किसी मानसिक विकार से प्रभावित है, और 85% लोग कभी इलाज नहीं करवाते।

(स्रोतः स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)

ये आँकड़े सिर्फ आंकड़े नहीं

बल्कि हर उस खामोश व्यक्ति की गवाही हैं जो मुस्कान के पीछे अपने मन के तूफान छिपाए बैठा है। आज का मन थका हुआ, बेचैन और असुरक्षित है। आधुनिक युग में तकनीक ने हमें जोड़ा है पर भीतर से पूरी तरह तोड़ दिया है । सुबह ऑफिस जाने से पहले राहुल जैसे हजारों युवा मोबाइल पर मेल चेक करते हैं और रात में सोशल मीडिया पर दूसरों से अपनी तुलना करते-करते थक जाते हैं। दिमाग़ में चल रहे इन सब विचारों से उन्हें लगता है, सब आगे बढ़ रहे हैं बस वे ही हैं जो पीछे रह गए हैं। बस यही "अदृश्य दबाव" पूरे विश्व में अब मानसिक असंतुलन का नया चेहरा बन चुका है। इसी तरह, गृहिणी सीमा जो पिछले 15-20 सालों से लगातार अपने घर, बच्चों और परिवार की देखभाल में पूरी तरह लगी हुई है, धीरे-धीरे "खुद के लिए समय न होना" जैसी स्थिति से गुजरती है। देखने पर ना तो वह बीमार दिखती है, और न दुखी दिखतीहै, पर उसे पता चलता है कि वह भीतर ही भीतर से थक चुकी है। "मौन अवसाद" का यह रूप आज समाज के हर वर्ग में मौजूद है।

आपदाएँ और मन की मरम्मत

यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें महामारी, बाढ़, युद्ध या व्यक्तिगत संकट इन सबका पहला असर मन पर पड़ता है। WHO के अनुसार, किसी भी आपदा के बाद हर पाँच में से एक व्यक्ति अवसाद, चिंता या आघात-जन्य विकार से प्रभावित होता है। कोविड-19 के दौरान यह सच्चाई सबसे साफ दिखायी दी है । कोरोना महामारी में लोग वायरस से तो बचे, पर अकेलेपन और भय ने उन्हें तोड़ दिया। दुर्भाग्य यह है कि राहत योजनाओं में मानसिक स्वास्थ्य अब भी अंतिम पंक्ति में है। सभी की आवश्यकताएं केवल भोजन, दवा और आश्रय के आसपास ही सीमित है और वो सब को तो मिल जाते हैं, पर टूटे हुए और आघातित मन के लिए कोई "राहत केंद्र" अब तक नहीं बना।

अदृश्य कलंक की दीवार

भारत में आज भी मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा सबसे बड़ा संकट है ,अदृश्य कलंक (stigma) अवसाद या मानसिक तनाव की समस्या से जूझ रहे लोग अब भी डॉक्टर के पास जाने से डरते हैं । सभी को लगता है कि यदि वे मानसिक स्वास्थ्य के विषय में चर्चा करने के लिए किसी डॉक्टर के पास जाएँगे तो समाज उनको "पागल" करार कर देगा। NMHS रिपोर्ट बताती है कि ग्रामीण इलाकों में यह भय और भी ज़्यादा गहरा है।

शहरों में विशेषज्ञ हैं, लेकिन संख्या बहुत कम

देश में सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए अभी भी बहुत चिकित्सक नहीं हैं । ग्रामीण इलाक़ों में तो प्रतिशत और भी कम है। हर एक लाख लोगों पर सिर्फ 0.75 मनोचिकित्सक उपलब्ध हैं। इससे मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ सीमित रह जाती हैं। इससे भी बुरी स्तिथि यह है कि इस समस्या के विषय में अगर कोई बोलना चाहता है, तो समाज का डर उसे चुप करा देता है।

समाधान क्या है

1. **नीति स्तर पर :** मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल किया जाए। गाँवों में सामुदायिक काउंसलिंग केंद्र खोले जाएँ।
2. **शिक्षा प्रणाली में :** स्कूल और कॉलेजों में काउंसलिंग और "इमोशनल एजुकेशन" को जरूरी बनाया जाए।
3. **कार्यस्थलों पर :** कंपनियाँ 'वर्क-लाइफ बैलेंस' को नारे की तरह नहीं, नीति की तरह अपनाएँ।
4. **परिवार और समाज में :** परस्पर संवाद को मजबूत बनाने की कोशिश की जाए । समाज में "कैसे हो?" औपचारिकता नहीं, संवेदना का प्रश्न होना चाहिए ।

मन की देखभाल भी जिम्मेदारी है

हर व्यक्ति अपनी मानसिक सेहत का संरक्षक है। कभी किसी की बात सुन लेना, किसी अकेले को साथ बैठा लेनाया किसी पेशेवर चिकित्सक से मदद की सलाह लेना यही सच्ची मानवीय मदद होनी चाहिए । मानसिक स्वास्थ्य का मतलब सिर्फ बीमारी का इलाज नहीं बल्कि सामाजिक संतुलन, परस्पर जुड़ाव और उद्देश्य की अनुभूति है।

निष्कर्ष : *वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे और उससे जुड़े जागरूकता अभियान हमें यह याद दिलाते हैं कि मन की सेहत शायद शरीर की सेहत से ज़्यादा ही ज़रूरी है।जब तक हम अपने "मन की बात" को सहजता से अपने लोगों के साथ साझा करना नहीं सीखेंगे,तब तक समाज की यह खामोशी और गहरी होती जाएगी। क्योंकि सच्चाई यही है- कभी-कभी सबसे गहरी चीखें वही होती हैं, जो सुनी नहीं जातीं।*

आजादी की जंग में 'आधी आबादी' ने भी मिलाया था कंधे से कंधा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अंग्रेजों की गुलामी से भारत को आजाद कराने के लिए आधी आबादी का योगदान सबसे ज्यादा था। शायद आजादी का आंदोलन कभी सफल नहीं होता यदि भारत की हर नारी घर से बाहर निकलकर इसमें अपना सहयोग नहीं देती। आजादी का आंदोलन लड़ रहे और अपने सर पर कफन बांधकर अंग्रेजी हुकूमत से लोहा ले रहे जंगी सेनानियों को महिला खाने से लेकर हर संभव सहायता करती थी। यही कारण था आजादी के आंदोलन में देश का बच्चा-बच्चा भी जुट चुका था। महिलाओं ने अपने साहस, धैर्य और नेतृत्व क्षमता से देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें सबसे पहले रानी लक्ष्मीबाई जिनका नाम देश में महिलाओं तेज और बहादुरी से बड़े इतिहास में सबसे पहले लिया जाता है। अंग्रेजी हुकूमत भी रानी लक्ष्मी बाई से कांपती थी। झांसी की रानी के रूप में उन्होंने 1857 के सिपाही विद्रोह में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपनी वीरता का प्रदर्शन किया।

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सरोजिनी नायडूथी बेमिसाल- 'भारत कोकिला' के नाम से जानी जाने वाली सरोजिनी नायडू ने न केवल स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष भी बनीं।

कस्तूरबा गांधी ने हर कदम पर दिया सहयोग - महात्मा गांधी ने अपने दर्शन में और अपने लेखों में अपनी पत्नी कस्तूरबा गांधी का जगह-जगह जिक्र किया है उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और गांधी जी के साथ कई आंदोलनों में भाग लिया। महात्मा गांधी इस कारण कभी आजादी के आंदोलन में अकेले नहीं पड़े। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्ध, अरुणा आसफ अली ने ग्वालिया टैंक मैदान में भारतीय ध्वज फहराया और स्वतंत्रता संग्राम की 'ग्रैंड ओल्ड लेडी' कहलाई।

कमला नेहरू में था अदम्य जोश- पंडित जवाहरलाल नेहरू की पत्नी, कमला नेहरू ने स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं को संगठित किया और विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार करने के लिए प्रेरित किया।गुप्त 'कांग्रेस रेडियो' की स्थापना करने वाली उषा मेहता ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महत्वपूर्ण घटनाओं का प्रसारण किया और स्वतंत्रता आंदोलन को एकजुट रखा।

कनकलता बरुआ को मारी थी गोली - आजादी के आंदोलन में पुरुष के कंधों से कंधा मिलाकर महिलाओं ने गोली खाई, लाठियां की मार सही, जेल गई लेकिन पीछे नहीं हटी।भारत छोड़ो आंदोलन की सबसे युवा शहीदों में से एक, कनकलता बरुआ ने 17 साल की उम्र में गोहपुर पुलिस स्टेशन पर तिरंगा फहराने का नेतृत्व किया और अपने जीवन का बलिदान दिया। असम की कनकलता बरुआ ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान तिरंगा फहराने का प्रयास किया और अंग्रेजों द्वारा गोली मार दी गई।एक स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक, सुचेता कृपलानी ने कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की सह-स्थापना की और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

इन महिलाओं ने न केवल स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया, बल्कि उन्होंने समाज में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने का प्रयास किया। उनकी वीरता, नेतृत्व और समर्पण ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा और मजबूती प्रदान की। आजादी का आंदोलन और इससे पहले जब मुगलों के आक्रमण हुए तब भी महिलाओं का बलिदान इतिहास हमें गौरन्वित करता रहा है। रानी पद्मावती का इतिहास उसी गौरवमय इतिहास का बखान करता है।

आखर-आखर झरे उजियार

ऐसे भी हैं सनातन संस्कृति के संवाहक: गृहस्थ संत पंडित नथमल पुरोहित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ऋषितुल्य मुखमण्डल,तेज़ दृष्टि, उच्चारण विशुद्ध, वाणी में गम्भीरता और सफ़ेद झक्का वेश में सदा सुशोभित एक शख्सियत... नाम पंडित नथमल पुरोहित! बीकानेरवासी पंडित जी की आयु 99 वर्ष है। इस उम्र में भी 7 घण्टे जप तप और हवन। उनकी दिनचर्या ब्रह्ममुहूर्त में 3.30 बजे से शुरू हो जाती है.दिन भर व्यस्त रहने वाले पंडित जी को लोग गुरु जी अथवा 'भा' नाम से पुकारते हैं। लगभग शतायु को उपलब्ध नथमल जी ने ऋषिकेश, गया जी, बद्रीनाथ और केदारनाथ सहित देश के अनेक स्थानों पर विशेष पूजा अनुष्ठान किए हैं. यज्ञोपवित, मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा सहित हरिहर यज्ञ और राम यज्ञ विधि विधान से खूब करायें हैं। वह प्रत्येक आयु वर्ग के लिए संस्कार विधान करते हैं। मातृ पितृ सेवा और देव, गुरु पूजन के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। पंडित नथमल पुरोहित तीन पीढ़ियों के गुरु हैं, इसलिए लोग इन्हें दादागुरु भी बोलते हैं. वो निःस्वार्थ गृहस्थ संत हैं. किसी यजमान के घर भोजन भी ग्रहण नहीं करते.पूजा विधि का कर्मकाण्ड निःशुल्क सिखाते हैं.उनकी निःस्वार्थ सेवा को देख उनके पिता गंगादास पुरोहित तीन वर्ष तक नाराज भी रहे. लेकिन बाद में उन्होंने पिता को भी अपने इस अभिमत से सहमत कर लिया कि मैंने कमाया नहीं तो गवाया भी नहीं है. मुझे लोगों का असीम स्नेह और सम्मान मिला है। लोगों के हृदय में मेरे प्रति अपार श्रद्धा है। उनसे जब पूछा कि नई पीढ़ी को आप क्या संदेश देना चाहेंगे? उनका जबाव था कि नई पीढ़ी को सुबह जल्दी उठना चाहिए. ब्रह्ममुहूर्त के समय जागने पर हरि सुमिरन से सारे काम आसान हो जाते हैं। जागने के बाद धर्मसम्मत आचरण किया जाय तो निश्चित ही उनके मनोरथ पूर्ण होंगे।

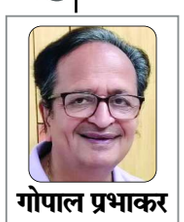

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

ओपिनियन

भारतीय सेवा क्षेत्र का विरोधाभास

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख वाहक है। इस क्षेत्र में करीब 18.8 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है और यह सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) में करीब 55 फीसदी का योगदान करता है। इस क्षेत्र के रोजगार के रुझानों और जीवीए से संबंधित नीति आयोग की दो रिपोर्ट बताती हैं कि सेवा क्षेत्र के सुर्खियों वाले आंकड़ों से परे इसमें विरोधाभास की एक कहानी भी छिपी हुई है। बीते छह साल में इस क्षेत्र में 4 करोड़ रोजगार जुड़े और यह निर्माण क्षेत्र के साथ देश में सबसे अधिक कामगारों की खपत वाला क्षेत्र बनकर उभरा।

दिलीप दीक्षित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हालांकि कोविड के बाद इस क्षेत्र की रोजगार प्रत्यास्थता (जो दर्शाती है कि आर्थिक वृद्धि किस हद तक नौकरियों में परिवर्तित होती है) तेजी से बढ़कर 0.63 हो गई है। इसके बावजूद यह पुनरुद्धार विरोधाभासी वास्तविकताओं को छिपाए हुए है। सूचना प्रौद्योगिकी (प्रत्यास्थता 0.88), वित्त (प्रत्यास्थता 0.95), स्वास्थ्य देखभाल (प्रत्यास्थता 0.94) और परिवहन (प्रत्यास्थता 0.89) जैसे उच्च-मूल्य वाले क्षेत्र डिजिटलीकरण, प्लेटफॉर्म आधारित अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक मांग के कारण फल-फूल रहे हैं। लेकिन ये उप-क्षेत्र कामकाजी वर्ग के केवल एक छोटे हिस्से को ही रोजगार प्रदान करते हैं।

इसके विपरीत, व्यापार, शिक्षा और व्यक्तिगत सेवाएं जो पारंपरिक रूप से रोजगार की स्तंभ रही हैं, श्रम-प्रधान तो बनी हुई हैं, लेकिन इनमें नौकरियां देने की क्षमता कमजोर होती जा रही है। दूरसंचार (0.79 ऋणात्मक) और बीमा (1.31 ऋणात्मक) जैसे उप-क्षेत्रों में लगातार ऋणात्मक प्रत्यास्थता दर्ज की गई है, जो यह दर्शाता है कि इन क्षेत्रों में पूंजी-प्रधान विकास हो रहा है, जो नौकरियां उत्पन्न करने के बजाय उन्हें प्रतिस्थापित कर रहा है।

वृद्धि और रोजगार की यह असंगति ही भारतीय सेवा उद्योग की कहानी को परिभाषित करती नजर आ रही है। आधुनिक सेवाएं पूंजी गहनता वाली हैं। इनकी उत्पादकता अधिक है लेकिन इनमें सीमित रोजगार तैयार होते हैं। पारंपरिक सेवाएं श्रम-प्रधान हैं लेकिन कम मूल्य वाली हैं और आजीविका को बनाए रखती हैं। इसका नतीजा एक विशाल नदारद 'मध्यम वर्ग' के रूप में निकलता है। यानी उच्च वर्ग की वैश्विक रूप से जुड़ी नौकरियों और करोड़ों अनौपचारिक सेवा आधारित आजीविकाओं के बीच एक अंतर जिनमें स्थिरता या सामाजिक सुरक्षा का अभाव है।

सेवा क्षेत्र के लगभग 87 फीसदी कामगार औपचारिक सुरक्षा तंत्र से बाहर हैं, और शिक्षित लोगों में भी अनौपचारिकता बनी हुई है। लैंगिक यानी स्त्री-पुरुष का अंतर भी उतना ही चौंकाने वाला है। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 10.5 फीसदी महिलाएं सेवा क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 60 फीसदी है। ग्रामीण महिलाएं प्रतिदिन केवल लगभग 213 रुपये कमाती हैं, जो पुरुषों के पगार का आधा भी नहीं है।हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा जैसे कुछ क्षेत्रों में महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से अधिक कमाती हैं। यह भारत के श्रम बाजार में समानता का एक दुर्लभ उदाहरण है। भू-राजनीतिक रूप से भारत का सेवा क्षेत्र देश की व्यापक आर्थिक असमानता को ही दर्शाता है। कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु उच्च मूल्य वाली सेवाओं मसलन सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त और अचल संपत्ति में दबदबा रखते हैं। बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पारंपरिक कम उत्पादकता वाली गतिविधियों मसलन खुदरा और व्यापार के क्षेत्र में सक्रिय हैं। शोध से यह पता चलता है कि किसी राज्य की सेवा क्षेत्र की गहनता और प्रति व्यक्ति आय के बीच एक मजबूत संबंध है। यानी जितना अधिक कोई राज्य आधुनिक सेवाओं पर निर्भर करता है, वह उतना ही समृद्ध होता है। सकारात्मक बात यह है कि पिछड़ते राज्यों में अब सेवा क्षेत्र में तेजी से वृद्धि के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं, भले ही यह समानता पूरी तरह नहीं आई हो। ये आंकड़े स्पष्ट रूप से इस बात पर जोर देते हैं कि इस क्षेत्र में अगले चरण का ढांचागत बदलाव रोजगार आधारित होना चाहिए। इस संबंध में कई नीतियां प्रस्तावित हैं। इनमें सेवा क्षेत्र के उपक्रमों को संगठित स्वरूप प्रदान करना और गिग कर्मियों तथा छोटे एवं मझोले उपक्रमों से जुड़े लोगों का संरक्षण आवश्यक है। इतना ही नहीं महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के डिजिटल कौशल में निवेश करना, तकनीक और हरित कौशल को प्रशिक्षण में शामिल करना और छोटे एवं मझोले शहरों को नए सेवा क्षेत्र केंद्रों के रूप में विकसित करना आदि भी अहम कदम हैं।

सरकार द्वारा अगले वर्ष की शुरुआत में सेवा क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण शुरू करने की योजना भी एक महत्त्वपूर्ण मोड़ को दर्शाती है। आतिथ्य उद्योग, लॉजिस्टिक्स से लेकर फिनटेक तक सभी क्षेत्रों को कवर करने वाले सूक्ष्म स्तर के उद्यम डेटा तक पहुंच इस क्षेत्र की ओर बढ़ते ध्यान तथा बड़े पैमाने पर रोजगार तैयार करने में इसकी भूमिका को बढ़ाने का संकेत देते हैं।

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 05/11/2025

सूर्योदय : 06:43 **सूर्यास्त :** 17:37 **चन्द्रोदय :** 17:20 **चन्द्रास्त :** 06:10 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत :** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** कार्तिक **पूर्णिमांत :** कार्तिक **सूर्य राशि :** तुला **चन्द्र राशि :** मेष **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** पूर्णिमा, 18:47 तक **वार :** बुधवार **कलियुग :** 5126 वर्ष.

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : अश्विनी, 09:39 तक
योग : सिद्धि, 11:22 तक
प्रथम करण : विष्टि, 08:43 तक
द्वितिय करण : बावा, 18:47 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:52 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:18 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	01:54 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:33 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:33 पी एम से
अमृत काल	2:23 ए एम, नवम्बर 6 से
निशिता मुहूर्त	11:39 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	6:34 ए एम, नवम्बर 6 से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पूर्व
भद्रावास : स्वर्ग

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:42 - 08:04	उद्वेग	: 17:36 - 19:14
अमृत	: 08:04 - 09:25	शुभ	: 19:14 - 20:53
काल काल वेला	: 09:25 - 10:47	अमृत	: 20:53 - 22:31
शुभ	: 10:47 - 12:09	चर	: 22:31 - 00:09
रोग वार वेला	: 12:09 - 13:31	रोग	: 00:09 - 01:48
उद्वेग	: 13:31 - 14:52	काल	: 01:48 - 03:26
चर	: 14:52 - 16:14	लाभ	: 03:26 - 05:04
लाभ	: 16:14 - 17:36	उद्वेग	: 05:04 - 06:43

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज पूर्णिमा

आज कौन सा कार्य करें

पूर्णमासी को विवाह, शिल्प, मंगल कार्य, संग्राम, वास्तु कर्म, यज्ञ क्रिया, प्रतिष्ठा आदि कार्य कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

कार्तिक, शुक्ल, पूर्णिमा, 2082 बुधवार, 05 नवम्बर - 11 नवम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]

आपकी सोच के अनुसार काम नहीं होंगे। विद्यार्थियों को एकाग्रता में कमी महसूस होगी। माता के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है। दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियन्त्रण रखें।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]

आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रबन्धन सम्बन्धी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के लोगों को आप समय देंगे। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार होगा। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]

कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। कला जगत से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। आय की स्थिति मजबूत रहेगी। पुराने मित्रों के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]

अधीनस्थ कर्मचारियों से अधिक बहसबाजी न करें। विवादित मामले उभरने की आशंका है। उधार दिया हुआ धन फँस सकता है। उच्च शिक्षा के लिये विदेश यात्रा कर सकते हैं।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे]

स्वास्थ्य कमजोर रहने वाला है। पेट में जलन महसूस हो सकती है। शाम के समय जीवनसाथी के साथ डिनर के लिये जा सकते हैं। शत्रु पक्ष को कमजोर आँकने की गलती न करें। घर में सफाई का ध्यान रखें।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]

आय में वृद्धि होगी। नये कार्यों की शुरुआत करने के लिये दिन शुभ है। जॉब में प्रशंसा प्राप्त होगी। साझेदारी में काम करने से लाभ मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]

सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आज्ञा का पालन करना पड़ेगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]

सामाजिक कार्य में आपका मन लगेगा। छोटे मोटे तनावों को अपने ऊपर हावी न होने दें। विद्यार्थी कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]

अपनी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास करें। मित्र आपसे मिलने घर आ सकते हैं। शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिये। शेयर मार्केट से लाभ प्राप्त होगा। व्यापार में नया प्रयोग करेंगे।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]

व्यक्तित्व में निखार आयेगा। अविवाहितों का विवाह तय होगा। पिकनिक के लिये जा सकते हैं। सरकारी कार्यों में काफी अच्छा लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में उच्च पद सौंपा जा सकता है।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]

दाम्पत्य सम्बन्धों में मधुरता बढ़ेगी। अचल सम्पत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। अति आत्मविश्वास के कारण नुकसान हो सकता है।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]

कारोबार में बढ़ोत्तरी होने के योग बन रहे हैं। मूड काफी अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा सीए फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाओं के परिणाम घोषित

जयपुर की कृति ने सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में देश में पाया दूसरा स्थान

सीए फाइनल के टॉप 50 में प्रदेश के आलोक, सक्षम और अक्ष शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के जयपुर शहर में विद्याधरनगर की मूल निवासी कृति शर्मा ने सीए इंटरमीडिएट में देश में दूसरा स्थान पाया है। अहमदाबाद के साउथ बोपल में रहने वाली इस छात्रा ने 600 में से 503 अंक प्राप्त किए और वे सिर्फ दो अंकों से ऑल इंडिया टॉपर बनने से चूक गईं। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ओर से सितंबर माह में ली गई सीए फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए। इसमें राजस्थान मूल के युवा चमके हैं। संस्थान के अहमदाबाद सेंटर से सीए फाइनल में छह और इंटरमीडिएट में छह विद्यार्थियों ने ऑल इंडिया के 50 टॉपर्स की सूची में नाम दर्ज कराने में सफलता पाई है।

कृति ने नाना जी नगेन्द्र वशिष्ठ ने जागरूक जनता से विशेष बातचीत में बताया कि कृति शुरू से ही पढ़ाई में अव्वल रही है। कृति को इस उपलब्धि पर पूरे

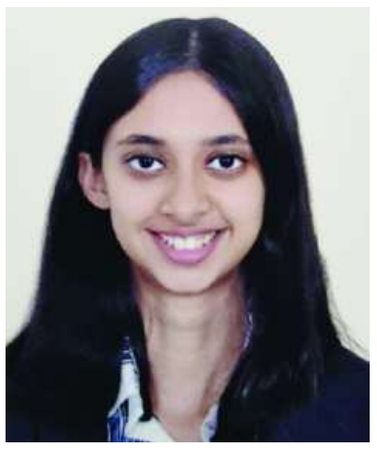

परिवार को खूब आशीर्वाद है। इस मौके पर वशिष्ठ ने सभी इष्ट मित्रों को मिठाई खिलाई एवं कृति को शुभकामनाएँ प्रेषिक की।

सीए फाइनल में डूंगरपुर जिले के ओबरी गांव निवासी आलोक पंचोरी ने 600 में से 444 अंक पाकर देश में 23वीं रैंक पाई। राजस्थान के टोंक जिले के मालपुरा के मूल निवासी सक्षम जैन ने 600 में से 428 अंक के साथ देश में 34वां स्थान हासिल किया। राजस्थान के ही उदयपुर शहर में हिरण मगरी सेक्टर-9 के मूल निवासी अक्ष जैन ने 600 में से 418 अंक के साथ देश में 44वीं रैंक प्राप्त की। आईसीएआई सेंट्रल काउंसिल मैम्बर पुरुषोत्तमलाल खंडेलवाल ने बताया कि संस्थान ने पहली बार फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल तीनों के परिणाम एक साथ घोषित किए हैं। सितंबर 2025 की परीक्षा देकर सफल होने पर देश को 11466 सीए मिले हैं। अहमदाबाद सेंटर के अध्यक्ष नीरव अग्रवाल ने बताया कि तीनों ही परीक्षाओं में अहमदाबाद सेंटर का परिणाम ऑल इंडिया से ज्यादा है। इस बार संस्थान ने सीए फाउंडेशन में भी रैंकर्स के नाम घोषित किए हैं।

सीए फाइनल रैंकर

विद्यार्थी का नाम	ऑल इंडिया रैंक
सुमित हसराजानी-	10
ईशा अरोरा-	20
आलोक पंचोरी-	23
मोक्षिल मेहता-	27
सक्षम जैन-	34
अक्ष जैन-	44

सीए इंटरमीडिएट रैंकर

विद्यार्थी का नाम	ऑल इंडिया रैंक
कृति शर्मा-	2
खुशवंत कुमार-	18
पार्थ जेतानी-	25
प्रीत ठक्कर-	25
दर्शित वासनिया-	29
दिया शाह-	40

स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सेंटवेव ऑर्गेनाइजेशन, राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग के स्टाफ रीक्रिएशन क्लब और महात्मा गांधी अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। जहां पर डॉक्टर शैली (फिजियोथैरेपिस्ट) ने कार्यस्थल पर होने वाली परेशानियां को दूर करने के लिए विभिन्न प्रकार की फिजियोथैरेपी टिप्स बताएं साथ ही सभी कर्मचारियों के लिए ब्लड शुगर की जांच के साथ साथ स्वास्थ्य जांच डॉक्टर शालिनी द्वारा की गयी । संस्था की संस्थापक अध्यक्ष शिवाली गुप्ता ने बताया कि इस तरीके के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन से लोगों में जागरूकता आई है और बहुत छोटी-छोटी जानकारी के जरिए वह अपने जीवन को और बेहतर बना सकते हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग के DDG हंसराज यादव, महात्मा गांधी अस्पताल से लवजीत पारीक, आशीष पाराशर, कमलनयन खण्डेलवाल और हृस्ह के सभी प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। एक और सफल स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सात दिवसीय देव दर्शन यात्रा व संत महंत भंडारा प्रसादी आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर कृष्णा कॉलोनी श्री मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम से सात दिवसीय देव दर्शन यात्रा व संत महंत भंडारा प्रसादी का आयोजन महंतश्री रामानंद दास के सौजन्य से किया गया। देव दर्शन यात्रा की शुरुआत जयपुर से बस द्वारा श्रद्धालु प्रस्थान कर नेमीशरण पहुंचे वहां सभी ने देव दर्शन कर संत महंतों का भंडारा प्रसादी किया।सभी ने साकेतवासी श्री श्री 1008 श्रीमहन्त योगीराज रघुवीर दास महाराज और महंतश्री रामकिशोर दास रामायणी महाराज की स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित कर हवन पूजन किया। उसके पश्चात यात्रा अयोध्या धाम पहुची वहां पर सभी ने प्रभु श्री राम के दर्शन लाभ लेकर संत महंतों का स्वागत सत्कार किया। महंतश्री रामानन्द दास का अयोध्या में स्वागत हुआ। सभी ने नए महंत श्री को माला आशीष देकर स्वागत किया।

पुजारी रामलोचन दास ने बताया कि सभी ने सन्तो ने भण्डारा प्रसादी का आनंद लिया। अगले दिन यात्रा ने प्रयागराज के तट पर भंडारे का आयोजन किया वहां पर सभी ने सन्तो आशीर्वाद लिया भंडारे का भव्य और दिव्य स्वरूप रहा।सभी ने बहुत हर्ष गाते बजाते हुए अपनी नई यात्रा चित्रकूट की धरा पर निकली। संत प्रवर आनंद दास ने वहां पहुच सभी के लिए भण्डारा बनाया और सभी संत महंतों को प्रसादी खिलाई सभी का स्वागत सत्कार कर दक्षिणा दी गयी। इसी के साथ यात्रा का समापन कर श्रद्धलुओं के साथ मन्दिर आश्रम के संत महंत जयपुर लोटे। महन्तश्री रामानंद दास महाराज ने कहा सन्तो की पुण्यतिथि पर भारत वर्ष में भंडारे किये जायँगे।

वियतनाम की राजधानी हनोई में आयोजित
International Conference NICE-TEAS ASIA 2025

भारत-वियतनाम शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग में एक नया मील का पत्थर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत और वियतनाम के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को नई दिशा प्रदान करते हुए NICE-TEAS ASIA 2025 का आयोजन बीते दिनों Banking Academy of Vietnam (BAV), हनोई में किया गया। यह दो दिवसीय International Conference Banking Academy of Vietnam और Ape& University, Jaipur (भारत) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई, जिसमें Shree KKarni Universe College, Jaipur ने Supporting Partner के रूप में योगदान दिया तथा KK Consultancy Services India (KKCS India) ने आयोजन का प्रबंधन किया। इस Conference में 30 से अधिक देशों से 135 से अधिक शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। इनमें भारत से 35 प्रतिभागी, तथा वियतनाम, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, कोरिया, चीन, ताइवान, सर्बिया, इटली, अमेरिका और यूके सहित अन्य देशों से 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हुए। कांफ्रेंस में 450 से अधिक शोध-पत्र (research papers) प्राप्त हुए, जिनमें से 82 उत्कृष्ट पेपर्स का चयन किया गया। इनमें से 30 पेपर्स को Banking Academy of Vietnam के परिसर में चार Technical Sessions में ऑफलाइन प्रस्तुत किया गया, जबकि 52 पेपर्स को नौ ऑनलाइन सत्रों में प्रस्तुत किया गया। चयनित पेपर्स को Springer Nature UK की प्रतिष्ठित Algorithms for Intelligent Systems (AIS) Series में प्रकाशित किया जाएगा।

जागा आईटी संयोजक नियुक्त, समाज ने किया सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। टीम दीया कुमारी मंडल द्वारा समाजसेवी सतीश कुमार जागा को आई.टी. संयोजक नियुक्त किया गया है। इस मौके पर एक कार्यक्रम में समाजबंधुओं द्वारा आई.टी. संयोजक- विद्याधर नगर मंडल के रूप में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साफा बांधकर एवं माल्यार्पण जागा का सम्मान किया। कार्यकम में भगवान सहाय, जगदीश बरनाला, रमेश, गोविंद, राजू, मुकेश, देवीलाल, रामानंद, गजानंद, महेश, हरिओम सुरेश रामावतार श्योपुर वाले कमल के अलावा अन्य समाजबंधु उपस्थित थे। कार्यक्र में सतीश जागा ने समाजबंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि आप सभी का यह स्नेह और आशीर्वाद मुझे समाज सेवा के कार्यों में निरंतर प्रेरित करता रहेगा। आपका यह विश्वास और प्रेम यूं ही बना रहे – यही मेरी विनम्र कामना है।

उपभोक्ता क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा अवार्ड घोषित, कंज्यूमर केयर अवार्ड विजेता को मिलेंगे 5 लाख रूपये

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में उपभोक्ता आंदोलन के सुदृढ़ीकरण, विभिन्न विभागों, स्वायत्तशासी एवं स्वैच्छिक संस्थाओं में उपभोक्ता सेवाओं में गुणात्मक सुधार, समयबद्ध शिकायत निस्तारण, उपभोक्ता विषयक प्रचार-प्रसार, शोध, प्रकाशन, प्रशिक्षण, प्रबोधन एवं विभिन्न गतिविधियो के प्रोत्साहन हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कंज्यूमर केयर अवधारणा को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के आदेशानुसार राज्य में 'कंज्यूमर केयर अवार्ड' प्रारंभ किया गया है । उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह उपभोक्ता सेवाओं का देश मे अब तक का सबसे बड़ा अवार्ड है । श्री गोदारा ने बताया कि राजकीय, स्वायत्तशासी श्रेणी हेतु 5 लाख रुपए का एक अवार्ड, संस्था श्रेणी में 2 लाख रुपए का एक अवार्ड तथा व्यक्तिगत श्रेणी में 51-51 हज़ार रुपए के तीन अवार्ड दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बिजली, पानी, चिकित्सा, एवं स्वास्थ्य बीमा, परिवहन जैसे उपभोक्ताओं से जुड़े विभाग भी पहली बार यह अवार्ड प्राप्त कर सकेंगें। इसका उद्देश्य राज्य में नवाचार प्रोत्साहन, कंज्यूमर फ्रेंडली एवं गुणवत्ता पूर्ण सेवाएं प्रदान करना है ।

खनन परियोजना के विरोध में ग्रामीण लामबंद

वाटेरा में विशेष ग्राम सभा में खनन परियोजना के विरोध में प्रस्ताव पारित

वाटेरा में सांसद खेल महोत्सव का ग्रामीणों ने किया बहिष्कार का ऐलान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। पिण्डवाड़ा उपखंड के वाटेरा गांव में मंगलवार को थम्ब बाबा मंदिर परिसर में आयोजित विशेष ग्राम सभा में ग्रामीणों ने प्रस्तावित खनन परियोजना के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। ग्राम सभा में मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 800.9935 हेक्टेयर भूमि पर प्रस्तावित खनन परियोजना को निरस्त करने और इस संबंध में सरकार द्वारा किए गए MOU (समझौता ज्ञापन) को तत्काल रद्द करने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया।

किसान संगठनों का समर्थन, एक स्वर में विरोध

ग्राम सभा में भारतीय किसान संघ के जिला एवं राज्य स्तरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, जिसमे उत्तम सिँह, मावाराम चौधरी, मुकेश रावल, जयंती लाल चौधरी, जब्बर सिँह, कई किसान उपस्थित रहें। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से एक राय होकर प्रस्ताव पारित कराया कि यह परियोजना किसानों, जल स्रोतों और पर्यावरण के लिए विनाशकारी सिद्ध होगी, अतः इसे निरस्त किया जाए। सभा में वक्ताओं ने कहा कि यह संघर्ष "जल, जंगल और जमीन" की रक्षा के लिए है, और ग्रामीण किसी भी कीमत पर अपने गांव की कोई भी जमीन, खेतों और पर्यावरण को बर्बाद नहीं होने देंगे।

प्रशासक ने की अध्यक्षता, विशेष ग्राम सभा का आयोजित

विशेष ग्राम सभा की अध्यक्षता ग्राम पंचायत वाटेरा की प्रशासक सविता रावल ने की। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी राजेश कुमार सहित ग्रामीण मौजूद रहे।
सभा में उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर खनन परियोजना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि ग्राम सभा का यह प्रस्ताव क्षेत्र के सभी प्रभावित गांवों तक पहुँचाया जाएगा।

पूरे दिन चली ग्राम सभा

विशेष ग्राम सभा की कार्रवाई पूरे दिन चली। ग्रामीणों ने पूरी एकजुटता से परियोजना का विरोध करते हुए कहा कि इस निर्णय को जिला प्रशासन और राज्य सरकार तक पहुँचाया जाएगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने प्रस्ताव को अनदेखा किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। 800.9935 हेक्टेयर भूमि पर प्रस्तावित खनन परियोजना के खिलाफ प्रस्ताव पारित। सरकार द्वारा किए गए MOU को निरस्त करने का भी प्रस्ताव पारित किया गया।भारतीय किसान संघ के जिला व राज्य पदाधिकारी रहे उपस्थित। "जल-जमीन-जंगल" की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प।

खनन परियोजना के विरोध में नहीं होने देंगे गांव में खेल आयोजन

पिण्डवाड़ा क्षेत्र के वाटेरा गांव में प्रस्तावित खनन परियोजना के विरोध ने नया मोड़ ले लिया है। ग्रामीणों ने एकजुट होकर घोषणा की है कि वे गांव में आयोजित होने वाले सांसद खेल महोत्सव का पूरी तरह बहिष्कार करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार और जनप्रतिनिधि उनकी जमीन, पर्यावरण और जीवन से जुड़ी मूल समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, तब ऐसे दिखावटी आयोजनों की कोई आवश्यकता नहीं है। उनका आरोप है कि मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड को 800 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में प्रस्तावित खनन परियोजना से ग्रामीण नाराज है सरकार ने ग्रामीणों के हितों की अनदेखी की है। थम्ब बाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित विशेष ग्राम सभा में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जब तक खनन परियोजना को रद्द नहीं किया जाता, तब तक वाटेरा में कोई भी सरकारी या राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित नहीं होने दिया जाएगा। ग्रामवासियों ने कहा कि यह बहिष्कार केवल विरोध नहीं बल्कि अपनी धरती, जल और जंगल की रक्षा का संकल्प है।

अपने सोने को सोने मत दीजिए

लॉकर में रखे सोने से पैसे बनाइए

AI Image

भारत में सोना भावनाओं से जुड़ा है, लेकिन अब वक्त है इसे कमाई का जरिया बनाने का। अगर समझदारी से इस्तेमाल करें, तो सोना आपकी लाइफस्टाइल और फाइनैंशल प्लानिंग दोनों को मजबूत कर सकता है।

मॉर्गन स्टैनली की अक्टूबर 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के घरों में रखा कुल सोना 34,600 टन से ज्यादा है, जिसकी कीमत लगभग 3.8 ट्रिलियन डॉलर (करीब 317 लाख करोड़ रुपये) आंकी गई है। यह भारत के GDP का लगभग 88.8% है। यानी सोना भारत की आर्थिक और सांस्कृतिक परंपरा में गहराई तक जुड़ा है। इतनी बड़ी संपत्ति अगर लॉकर में बंद रहे, तो देश और निवेशक दोनों का नुकसान है। इसलिए अब लोगों के पास कई तरीके हैं जिनसे वे अपने सोने को प्रोडक्टिव बना सकते हैं, जैसे गोल्ड लोन, ज्वैलरी अपग्रेड, गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम, गोल्ड ETF या डिजिटल गोल्ड। आइए, इन तरीकों के बारे में जानते हैं।

मॉनिटाइजेशन स्कीम क्या है?

यह सरकारी योजना है, जिसमें आप बैंक में सोना जमा करके ब्याज कमा सकते हैं। ब्याज दर लगभग 2.25%–2.5% सालाना होती है।

कैसे काम करती है

आप अपने गहने, सिक्के या सोने की छड़ें (बिना रत्नों के) किसी अधिकृत बैंक या जांच केंद्र में जमा करते हैं। वहां सोने की शुद्धता (Purity) जांची जाती है और फिर उसे पिघलाकर बैंक में जमा कर लिया जाता है। आपको बदले में एक डिपॉजिट सर्टिफिकेट मिलता है। मियाद पूरी होने पर आप सोना या उसकी बराबर कीमत नकद में वापस ले सकते हैं।

ध्यान रखें

- शॉर्ट टर्म डिपॉजिट (1–3 साल) की सुविधा।
- **10 ग्राम सोना जमा करना अनिवार्य है।**
- सोना पिघलाने के बाद वापस उसी रूप में नहीं मिलता।
- **योजना लंबी अवधि के निवेशकों को उतनी आकर्षक नहीं लगती।**

यह योजना उन लोगों के लिए बढ़िया है जिनके पास टूटा या बेकार पड़ा सोना है। इससे बिना जोखिम के रिटर्न मिलता है, लेकिन जिनके सोने से भावनात्मक लगाव है, उनके लिए यह कठिन हो सकता है क्योंकि गहना उसी रूप में वापस नहीं मिलता। *-श्वेता रजनी, आनंद राठी वेल्थ*

गोल्ड लोन क्या है?

अगर आपको पैसों की जरूरत है, तो सोना बेचने की बजाय गिरवी रखकर लोन लेना बेहतर है। इस तरह आप सोने की मालिकियत (Ownership) बनाए रखते हैं।

कैसे काम करती है

आप अपना सोना बैंक या NBFC में गिरवी रखते हैं। RBI के नियमों के मुताबिक, सोने की कीमत का 85% तक लोन मिल सकता है (5 लाख से ज्यादा के लोन पर 75%)। लोन चुकाने के बाद आपका सोना सुरक्षित वापस मिल जाता है।

फीस और ब्याज

- **ब्याज दर:** 9%–15% सालाना
- **प्रोसेसिंग फीस:** 0.5%–2%
- **देर से भुगतान:** 2%–3% मासिक पेनल्टी
- **लचीलापन:** आप EMI, बुलेट पेमेंट (सिर्फ ब्याज समय-समय पर, मूल रकम अंत में) या ओवरड्राफ्ट जैसी सुविधा चुन सकते हैं।

ध्यान रखें

- अगर समय पर लोन नहीं चुकाया गया, तो बैंक आपका सोना नीलाम (Auction) कर सकता है।
- **इसलिए हमेशा RBI-रजिस्टर्ड संस्थान से ही लोन लें, ताकि आपका सोना सुरक्षित रहे।**

...और लीजिंग क्या है?

यह एक नया तरीका है, जिसमें आप अपना सोना जूलर्स को उधार (Lease) पर देकर हर साल 2%–5% का रिटर्न कमा सकते हैं और वो भी ग्राम में सोने के रूप में।

कैसे काम करती है

पुराना, टूटा सोना Safe Gold जैसे प्लैटफॉर्म के पार्टनर जूलर्स को दें।

आपके नाम से डिजिटल गोल्ड अकाउंट बनता है।

आप तय करते हैं कि किस जूलर को लीज पर देना है।

सोने की शुद्धता जांचकर उसे 24 कैरेट सोने में बदल दिया जाता है।

अगर आपके पास 100 ग्राम सोना है, तो इस स्कीम से एक साल में यह 105 ग्राम हो सकता है। हालांकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने किस जूलर को लीज दिया। *-गौरव माथुर, संस्थापक, SafeGold*

ध्यान रखें

- गहना पिघलाया जाता है, इसलिए वापस उसी रूप में नहीं मिलेगा।
- **रिटर्न जूलर की क्रेडिट क्वालिटी पर निर्भर करता है।**
- अगर आप बाद में फिजिकल सोना वापस लेना चाहें, तो डिलीवरी चार्ज देना होगा।

पुराने गहने अपग्रेड करना

पुराने गहनों को नए डिजाइन में ढालकर उन्हें दोबारा पहनने लायक बनाने से नया गहना मिलता है, लेकिन सोना वही पुराना रहता है।

कैसे काम करता है

- जूलर पहले पुराने सोने की शुद्धता और वजन जांचता है।
- फिर नया डिजाइन तय होता है।
- पुराना गहना पिघलाकर नया बनाया जाता है।

फायदे

15–25%

मेकिंग चार्ज बचते हैं, जो नए गहने पर लगते।

कई जूलर्स फेस्टिव सीजन में लो वेस्टेज एक्सचेंज स्कीम भी देते हैं।

नुकसान

- सोना पिघलाने में 1–2% तक नुकसान हो सकता है।
- **पुराना गहना दोबारा उसी रूप में नहीं मिलेगा।**
- भावनात्मक जुड़ाव रखने वालों के लिए यह मुश्किल हो सकता है।

म्यूचुअल फंड या ETF में कैसे बदलें?

फिजिकल सोना बेचकर उसे गोल्ड ETF या MF में निवेश कर सकते हैं। यह सुरक्षित और टैक्स सेविंग है।

कैसे काम करता है

- सोना बेचकर उसकी रकम से ETF या गोल्ड फंड खरीदे जाते हैं।
- **ETF की कीमत बाजार के सोने के रेट से तय होती है।**
- निवेश डिजिटल रूप में होता है और T+1 दिन में बेच सकते हैं।

सीमाएं

- फिजिकल सोने को सीधे ETF में बदला नहीं जा सकता।
- **पहले बेचना पड़ता है, जिससे कैपिटल गेन टैक्स लग सकता है।**
- ETFs और फंड्स में थोड़ा एक्सपेंस रेशियो (खर्च) होता है।

जिनके पास ज्यादा सोना है और स्टोरेज की चिंता है, उनके लिए ETF या गोल्ड फंड सुरक्षित, सस्ता और सुविधाजनक विकल्प है। *-विवेक बंका, संस्थापक GoalTeller*

फायदे कोई भंडारण या मेकिंग चार्ज नहीं। | **बेहतर टैक्सेशन, 12 महीने के बाद लॉन्ग-टर्म गेन पर सिर्फ 12.5% टैक्स।** | पूरी प्राइस ट्रांसपेरेंसी और हाई लिक्विडिटी।

सांसद सी.पी. जोशी के जन्मदिवस पर चित्तौड़गढ़ में तीन दिवसीय सेवा अभियान सम्पन्न

भाजपा जिलाध्यक्ष रतन लाल गाडरी के नेतृत्व में सांसद जोशी के जन्म दिवस पर हुई विविध सेवा गतिविधियाँ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन चित्तौड़गढ़ द्वारा पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद सी पी जोशी के जन्म दिवस पर मंगलवार को विभिन्न सेवा कार्य हुए । भाजपा संगठन, विभिन्न मोर्चों द्वारा सेवा गतिविधियों ने समाज में सेवा, संवेदना एवं जनकल्याण का सशक्त संदेश दिया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मनोज पारीक ने बताया कि चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय पर आयोजित सेवा कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रतन लाल गाडरी के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सांवलियाजी राजकीय चिकित्सालय पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किए तथा उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेकर कुशल क्षेम पुछी। जिलाध्यक्ष गाडरी ने कहा कि सांसद जोशी के मार्गदर्शन में चित्तौड़गढ़ भाजपा संगठन सेवा को प्राथमिकता देते हुए समाज में सकारात्मक ऊर्जा पैदा कर रहा है। राजनीति केवल सत्ता तक सीमित न रहकर समाजहित व जनकल्याण में अग्रणी भूमिका निभाना भी है।

जिला महामंत्री रघु शर्मा ने कहा कि भाजपा का मूल उद्देश्य समाज सेवा है तथा सांसद जोशी के जन्मदिवस पर आयोजित यह सेवा कार्यक्रम इसी भावना का प्रतीक है। जिला महामंत्री हर्षवर्धन सिंह रूद ने कहा कि सेवा कार्य समाज में समरसता को बढ़ाते हैं तथा संगठन को जन-जन से जोड़ते हैं। ओबीसी मोर्चा द्वारा सांवलियाजी बहुउद्देशीय दिव्यांग विद्यालय, रामदेवजी का चंदेरिया में विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री, स्टेशनरी किट एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई। पुराने जिला चिकित्सालय परिसर स्थित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में बालिकाओं के भविष्य को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सुकन्या समृद्धि योजना का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम संयोजन रामगोपाल ओझा ने किया। इसके उपरांत ज्ञानदीप केयर होम, मधुवन सेंती में बच्चों को दैनिक उपयोग की सामग्री, शिक्षण सामग्री वितरित की गई। सांसद जोशी के जन्मदिवस पर चितौड़गढ़ जिले में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा विविध सेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए। सेवा कार्यक्रमों में भाजपा महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, एससी मोर्चा, एसटी मोर्चा सहित विभिन्न संगठनात्मक इकाइयों एवं सामाजिक संस्थाओं ने भी सहयोग दिया। इन तीन दिवसीय सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से जिले में सेवा का वातावरण बना तथा समाज में सकारात्मक संदेश गया। पूर्व जिलाध्यक्ष मिठ्ठू लाल जाट,

प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष अनिल सिसोदिया, कमलेश पुरोहित, श्रवण सिंह राव, जिला उपाध्यक्ष सीपी नामधराणी, जिला कोषाध्यक्ष हरीश ईनानी, मंडल अध्यक्ष सागर सोनी, गोपाल राजोरा, गौरव त्यागी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाधयक्ष एमडी शेख, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष गोटू लाल सुथार, जिला प्रवक्ता संजू लड्ढा, दीपक शर्मा, मीडिया सह-प्रभारी लोकेश त्रिपाठी, कार्यालय प्रमुख प्रहलाद टेलर, जिला संयोजक आईटी विभाग नन्दकिशोर लोहार, सोशल मीडिया संयोजक कुलदीप चतुर्वेदी, नगर महामंत्री घनश्याम लोठ, चन्द्रशेखर सोनी, युवा मोर्चा अध्यक्ष अविनाश शर्मा, पूर्व सभापति सुशील शर्मा, रवि वीरानी, शांतनु काबरा, चंद्रशेखर शर्मा, भारती वैष्णव, पिंकी सोमानी, अल्का चतुर्वेदी, तारावती धाकड़,जया कंवर भगवती आचार्य, सतपाल दुआ, ओम प्रकाश शर्मा, कमलेश आमेरिया, अनिल ईनाणी, शैलेंद्र झंवर, किशन शर्मा, प्रमोद राजपुरोहित, शिवांग जोशी, विष्णु कुमावत, बसंती लाल सेन, गोपाल शर्मा, हेमंत भोई, खेमराज भोई, निलेश बल्दवा, राजेश मोची, पंकज सेन, शुभम सुखवाल, विनीत तिवारी, धीरज सुखवाल, शिव मेनारिया, नवीन सुखवाल, रवि मेनारिया, पुरण राणा, आदि उपस्थित थे।

काम की तारीखें

फाइनैंशल कैलेंडर

- **10 नवंबर 2025:** FY 2024-25 की टैक्स ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तारीख।
- **30 नवंबर 2025:** केंद्रीय कर्मचारियों के लिए UPS में स्विच करने की आखिरी तारीख।
- **10 दिसंबर 2025:** ऑडिट वाले करदाताओं के लिए ITR फाइल करने की अंतिम तारीख।
- **31 दिसंबर 2025:** यदि आपने ITR नहीं भरा है, तो आप 'बिलेटेड रिटर्न' के रूप में 31 दिसंबर तक दाखिल कर सकते हैं।

इन IPO में मौका

- **Studds Accessories IPO** (₹557-585) 3 नवंबर तक
- **Lenskart Solutions Ltd.** (₹382-402) 4 नवंबर तक
- **Shreeji Global FMCG Ltd.** (₹120-125) 4 नवंबर से 7 नवंबर तक।
- **Billionbrains Garage Ventures Ltd. (Groww)** (₹95-100) 4 नवंबर से 7 नवंबर तक
- **Finbud Financial Services Ltd.** (₹140-142) 6 नवंबर से 10 नवंबर तक।

इक्विटी में चाहे जितनी तेज़ी आए, सुरक्षा के लिए Debt पर भी दांव सही रणनीति

शेयर लुभा रहे, पर Debt भी ज़रूरी

दो दूनी चार

शेयर बाजार की तेजी ने लाखों नए निवेशकों को आकर्षित किया है। रिटर्न की इस चमक में कई लोग डेट जैसे सुरक्षित विकल्प को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि समझदार निवेशक जानते हैं कि पोर्टफोलियो में संतुलन जरूरी है।

वित्त वर्ष 2024-25 में पब्लिक डेट इश्यूज़ के जरिये जुटाई गई राशि घटकर सिर्फ ₹8,149 करोड़ रह गई, जबकि पिछले साल यह ₹19,168 करोड़ थी, यानी निवेश में लगभग 58% गिरावट आई।

सोचिए कि कोई कंपनी पैसा उधार लेना चाहती है। इसके लिए वो एक पेपर जारी करती है, जिसे 'बॉण्ड' या 'डेट' (Debt) कहते हैं। हम उसे खरीदते हैं, बदले में तय समय तक रिटर्न मिलता रहता है। समय पूरा होने पर मूलधन वापस कर दिया जाता है। आप पूछेंगे, इसमें क्या नया है? फिक्स्ड डिपॉजिट में बैंक भी हमसे यही करते हैं। हम किसी पब्लिक सेक्टर बैंक में क्यों न पैसे लगाएं, जहां सेफ्टी ज्यादा है।

बात यहीं खत्म नहीं होती। अगला सवाल हो सकता है कि क्या कंपनी के बॉण्ड में ज्यादा रिटर्न मिलता है तो जवाब होगा-अक्सर नहीं। बल्कि मच्योरिटी से पहले अगर बॉण्ड से बाहर निकलना चाहें तो नुकसान भी भुगतना पड़ सकता है। बॉण्ड की कीमतों में मच्योरिटी से पहले उतार-चढ़ाव भी संभव है, क्योंकि बाजार में इनकी खरीद-बिक्री चलती रहती है। इसके बाद एक और सवाल- क्या टैक्स में कुछ छूट मिलती है? इसका भी जवाब है- अक्सर नहीं। फिर यही सवाल खड़ा होता है, जब कुछ एक्स्ट्रा नहीं मिलना तो हम बॉण्ड में क्यों इन्वेस्ट करें? शायद इसी सवाल का असर है कि पिछले कुछ समय से डेट इंस्ट्रूमेंट्स में आम लोगों का निवेश कम होता जा रहा है। पब्लिक डेट इश्यूज के जरिये जुटाई गई कुल राशि वित्त वर्ष 23-24 में 19,168 करोड़ रुपये से घटकर वित्त वर्ष 24-25 में 8,149 करोड़ रुपये रह गई। दूसरी तरफ संस्थागत निवेशक और हाई नेटवर्थ वाले लोग डेट मार्केट में काफी दिलचस्पी लेते हैं।

आम लोग अक्सर शॉर्ट टर्म के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट करते हैं, जबकि लॉन्ग टर्म के लिए टैक्स छूट वाली पीएफ जैसी स्कीमों में पैसा जमा करते हैं। इससे अलग बॉण्ड जैसे डेट इंस्ट्रूमेंट की लोकप्रियता कम है। आम लोगों का जो थोड़ा बहुत निवेश है, वो म्यूचुअल फंडों के जरिये है। कुछ समय पहले तक डेट म्यूचुअल फंडों में निवेश करने पर इंडेक्सेशन के जरिये कुछ टैक्स लाभ मिल जाता था। लेकिन बाद में वो भी खत्म कर दिया गया। इसके बावजूद डेट फंडों के एक आकर्षण को समझने की जरूरत है। फिक्स्ड डिपॉजिट का जो भी रिटर्न है, उस पर ब्याज के लिए आपसे सालाना तौर पर टैक्स चुकाना पड़ता है। डेट फंड में आप जब तक निवेश को भुनाते नहीं, टैक्स की चिंता नहीं करनी है। टैक्स को टालना लंबी अवधि में बड़ा मुनाफा दे सकता है।

डेट माध्यमों में आम लोगों की रुचि बढ़े, इसके लिए अब रेगुलेटर की ओर से भी प्रयास किए जा रहे हैं। अभी तक, बॉण्ड बेचने वाली कंपनियां सबको एक जैसा ब्याज देती थीं। बाजार को रेगुलेट करने वाली संस्था सेबी ने अब एक नया नियम लाने का प्रस्ताव रखा है। इस नियम से कंपनियों को यह छूट मिल जाएगी कि वो कुछ खास लोगों को थोड़ा ज्यादा फायदा दे सकें। इन खास लोगों में छोटे निवेशक, महिलाएं, बुजुर्ग और सेना के जवान शामिल हैं। जैसे बैंक सीनियर सिटिजंस को एफडी पर ज्यादा ब्याज देते हैं, वैसे ही बॉण्ड मार्केट में भी यह सुविधा शुरू हो सकती है। इस प्रस्ताव के तहत, कंपनियां दो तरह के फायदे दे सकती हैं। वो बॉण्ड पर आम लोगों के मुकाबले कुछ खास कैटिगरी में थोड़ा ज्यादा रिटर्न दे सकती हैं।

AI Image

जब शेयर बाज़ार ऊपर जाता है तब निवेशकों में ज़रूरत से ज्यादा आत्मविश्वास दिखता है, जबकि गिरावट पर पैनिक सेलिंग। डेट का हिस्सा इन भावनात्मक निर्णयों को कम करता है। इक्विटी बाज़ार की सवारी करना रोमांचक है, लेकिन गाड़ी में एक्सीलरेटर (शेयर) के साथ ब्रेक (डेट) भी होना चाहिए।

बॉण्ड खरीदते समय ही उसकी कीमत पर कुछ छूट भी मिल सकती है। माना जा रहा है कि ये प्रस्ताव लागू हुआ तो कंपनियां ज्यादा से ज्यादा बॉण्ड जारी करेंगी, जिससे बाजार में रौनक आएगी।

स्टॉक मार्केट में उछाल और निवेश के डिजिटल तरीके ने लाखों नए खुदरा निवेशकों को शेयर बाजार की ओर आकर्षित किया है। मगर, तेज रिटर्न की चकाचौंध में निवेशक डेट जैसे असेट को नजरअंदाज कर देते हैं। इसे अपने पोर्टफोलियो का एक अभिन्न अंग बनाए रखना उतना ही जरूरी माना जाता है, जितना कि शेयरों में निवेश करना। आज सभी को पता है कि शेयर बाजार अस्थिर होते हैं। ग्लोबल घटनाएं, राजनीतिक बदलाव या आर्थिक झटके इसे तेजी से नीचे खींच सकते हैं। अभी एक धारणा ये है कि गिरावट के समय ज्यादा शेयरों की खरीदारी करनी चाहिए। लेकिन बाजार इस गिरावट से कब उबर जाएगा या नहीं, कोई नहीं बता सकता। हालांकि जापान के शेयर बाजार से हमारे शेयर बाजार की सीधे तुलना नहीं की जा सकती। फिर भी याद रखने लायक बात है कि वहां जिस ऊंचाई को 1989 में छू लिया गया था, उसमें गिरावट का लंबा दौर चला। इतना कि 2024 में ही पुरानी ऊंचाई नसीब हो पाई। इतने बरस इंतजार करने के लिए तैयार हैं हम?

हर निवेशक के पास शॉर्ट टर्म लक्ष्य होते हैं, जैसे कि पढ़ाई की फीस, छुट्टियों का खर्च या कार खरीदना। इन लक्ष्यों के लिए इक्विटी में निवेश करना काफी जोखिम भरा हो सकता है। अगर लक्ष्य के मुताबिक डेट में निवेश हो तो इस जोखिम से सुरक्षा मिल सकती है। भारत में एक बड़ा वर्ग नियमित आय पर निर्भर करता है, खासकर रिटायरमेंट के बाद। बॉण्ड निश्चित और नियमित आय का स्रोत हो सकते हैं। अब खुद रिजर्व बैंक रिटेल डायरेक्ट स्कीम के तहत ऐप के जरिये सरकारी बॉण्ड उपलब्ध करा रहा है। एक आम निवेशक का पहला मकसद ये होना चाहिए कि वो पूंजी न खोए। शेयरों में जोखिम है, लेकिन डेट का फोकस पूंजी की सुरक्षा पर होता है। जब शेयर बाजार अत्यधिक बढ़ जाता है, तो आप लाभ बुक करके उस धन को डेट में ट्रांसफर कर सकते हैं। इसके विपरीत, जब शेयरों में बड़ी गिरावट होती है, तब बड़ी कंपनियों के शेयर आकर्षक मूल्यों पर उपलब्ध होते हैं तो आप डेट फंड से पैसा निकालकर इक्विटी में लगा सकते हैं। इस तरह पोर्टफोलियो को रीबैलेंस किया जा सकता है। अगर कोई खुद उचित समय पर पोर्टफोलियो रीबैलेंस नहीं कर सकता तो हाइब्रिड म्यूचुअल फंडों के जरिये ये काम आसानी से किया जा सकता है।

कहां से लोन लें कि कम ब्याज़ चुकाएं

ब्याज दरें दो तरीकों से तय होती हैं। एक RLLR, जो कि RBI के रेपो रेट से जुड़ी होती है, और एक MCLR, जो बैंकों की फंडिंग लागत पर आधारित होती है। यहां होम लोन के लिए विभिन्न बैंकों की ब्याज दरें (RLLR) दी गई हैं।

AI Image

Home Loan- RLLR

RBI REPO RATE (%)	5.50	WEF 6/6/2025			
Repo Linked Lending Rates	RLLR	Salaried		Self Employed (MSE)	
BANK NAME		FROM	TO	FROM	TO
Indian Overseas Bank	8.35	7.35	8.35	7.45	8.45
SBI Term Loan	8.15	7.50	8.70	7.50	8.70
Central Bank of India	8.50	7.65	8.90	7.65	8.90
Bank of Baroda	8.15	7.45	9.20	7.45	9.20
Punjab National Bank	8.35	7.50	9.20	7.50	9.20
Dhanlaxmi Bank	--	8.60	9.25	9.10	9.75
Axis Bank	--	8.35	9.35	8.35	9.35
Bank of Maharashtra	8.30	7.35	9.40	7.45	9.90
Indian Bank	--	7.40	8.80	7.90	9.30
Indusind Bank	--	7.90	9.55	7.90	9.55
J & K Bank	8.45	7.75	8.45	7.75	8.45
ICICI Bank	--	8.75	9.65	8.75	9.80
Union Bank of India	8.25	7.45	10.00	7.45	10.00
Federal Bank	--	8.75	10.00	8.75	10.00
Bank of India	8.35	7.35	10.10	7.35	10.10
Canara Bank	8.25	7.40	10.25	7.40	10.25
IDBI Bank	8.35	7.55	10.25	7.90	11.75
Yes Bank	--	8.65	10.50	8.65	10.50
DCB Bank	8.75	9.75	11.50	9.75	14.50
Karnataka Bank	--	8.21	10.76	8.21	10.76
Punjab & Sind Bank	7.55	7.65	10.75	7.65	10.75
UCO Bank	8.30	7.40	9.50	7.40	12.10
South Indian Bank	9.75	7.53	10.88	7.53	10.88
Karur Vysya Bank	8.80	8.50	10.90	8.50	10.90
Bandhan Bank	--	8.41	12.58	8.41	12.58
HDFC Bank	--	7.90	13.20	7.90	13.20
City Union Bank	8.90	9.55	14.95	9.55	14.95
Kotak Mahindra Bank	--	7.99 onwards		7.99 onwards	
IDFC First Bank	--	8.85 onwards		8.85 onwards	

As on: 30/10/2025

तीन जोड़ों का निकाह, शिक्षा और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का संदेश दिया गया

दरगाह हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. पर सम्पन्न हुआ सामूहिक विवाह सम्मेलन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कपासन। मंसूरी एजूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी उदयपुर के तत्वाधान मे दरगाह हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. में सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न।

सोसायटी के सचिव जाहिद मोहम्मद मंसूरी के अनुसार दरगाह शरीफ स्थित अहमद कबीर मंजिल मे रविवार प्रातः मौलाना अंसारूल हक की तिलवाते कलामे पाक के बाद दीवाना शाह माध्यमिक विद्यालय की छत्राओं ने नात शरीफ पेश की। महमाने खुसुसी हाजी लतीफ मंसूरी आरको अध्यक्ष मंसूरी पंचायत संस्था राजस्थान जयपुर एवं अजय एस. मेहता ट्रस्टी-रमा मेहता चेरिटेबल ट्रस्ट उदयपुर ने आज के इस दौर मे सामूहिक विवाह सम्मेलन के फायदे बताये और शिक्षा एवं बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

सोसायटी के सदर अब्दुल लतीफ मंसूरी कुवैत वाले ने महमाने खुसुसी एवं मुख्य अतिथि आज़ाद हुसैन मंसूरी, पूर्व उप सरपंच सांवलिया जी, दरगाह वक्फ कमेटी के नायब सदर मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी, मास्टर अल्लाह बेली मंसूरी, हेमराज भाटी रिटायर्ड सचिव सेवा मंदिर उदयपुर, मास्टर मोहम्मद खाँ मंसूरी, सदर मंसूरी समाज कपासन एवं वक्फ कमेटी सदस्य सैयद अख्तर अली बुखारी का शॉल ओढ़ाकर इस्तकबाल किया। मोहम्मद सईद काजी, हाफिज आदिल रज़ा, हाफिज मो खतीब, पेश ईमाम मस्जिद मंसूरियान ने तीनो जोडो को ईजाब कबूल करा खुतबा पढ़ दुआ की। बाबे विलायत से अहमद कबीर मंजील तक दुल्हो की बिन्दोली निकली। बिन्दोली का सोसायटी की तरफ से ईस्तकबाल किया। हाजी मोहम्मद सईद काजी की मिलाद पार्टी ने नातो, मनकबत व सेहरा पढ़ा दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी ने प्रोग्राम का संचालन किया। सम्मेलन मे आए हुए सभी मेहमानो का खाना चिश्तीया डोम मे रखा गया। सम्मेलन मे आस-पास एवं दूर-दूर के कई समाजजन ने भाग लेकर खुशी व्यक्त की। सोसायटी के खजांची मोहम्मद यूसुफ मंसूरी इंजिनियर के अनुसार प्रत्येक जोडे को 21000 हजार रूपये का चेक, समाज के लोगो की तरफ से सिलाई मशीन व अन्य कई उपहार दिए। आखिर मे सोसायटी के सदर अब्दुल लतीफ मंसूरी ने सबका आभार व्यक्त किया एवं सलातो सलाम पर सम्मेलन का इख्तेताम हुआ।

मो. अमान और डॉ. विजेंद्र बहाएंगे संगीत सरिता

आकाशवाणी संगीत सम्मेलन 8 को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। प्रसार भारती और संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 67वां आकाशवाणी संगीत सम्मेलन 8 नवंबर को शाम 7 बजे से उदयपुर के राजस्थान कृषि महाविद्यालय के नूतन सभागार में आयोजित होगा। क्षेत्र के उप महानिदेशक आकाशवाणी राजेंद्र नाहर ने बताया कि आकाशवाणी संगीत सम्मेलन में बंदिश बैंडिट्स वेब सीरिज के 'गरज गरज' फेम मोहम्मद अमान शास्त्रीय गायन एवं डॉ. विजेंद्र गौतम गीत और गजल प्रस्तुत करेंगे। आकाशवाणी संगीत सम्मेलन भारत के 24 शहरों में बीच आयोजित हो रहे हैं। चुनिंदा शहरों में उदयपुर भी एक है। इसमें हिंदुस्तानी, कर्नाटक, सुगम संगीत और लोक संगीत की प्रतिष्ठित संगीत प्रतिभाएं भाग लें रही है। नाहर ने यह भी बताया कि सम्मेलन के लिए आमंत्रण पत्र किसी भी कार्य दिवस पर आकाशवाणी उदयपुर के मोहता पार्क स्थित कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। इस संपूर्ण श्रृंखला आयोजन की रिकॉर्डिंग आकाशवाणी और दूरदर्शन के साथ प्रसार भारती के ओटीटी 'वेव्स' एवं अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर 26 दिसंबर 2025 से 23 जनवरी 2026 के दौरान रात्रि दस बजे से 11 बजे तक प्रसारित की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्र समाज सहित सम्पूर्ण मानव समाज की सेवा ही एकमात्र लक्ष्य-राजकुमार मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। मानवता की सेवा के इसी पवित्र लक्ष्य के साथ अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की 11 सदस्यीय दिल्ली प्रदेश इकाई का पुनर्गठन बीते दिनों अरुण रूगटा की अध्यक्षता मे किया गया। जिसकी प्रति पृथक से संलग्न है। जिसका उद्देश्य अग्र समाज सहित सम्पूर्ण मानव समाज के सर्वांगीण कल्याण हेतु सतत योगदान का विस्तार करना है। संस्था के उक्त मानव कल्याण कार्यक्रमों के अंतर्गत विवाह, शिक्षा, स्वास्थ्य, वरिष्ठ नागरिक, एवं विविध आपात स्थिति मे ज़रूरतमंदों से संबंधित सभी सेवा कार्यों को संपादित करना प्रमुख हैं। इसी कड़ी में अरुण रूंगटा को अध्यक्ष, पीडी अग्रवाल को एग्जीक्यूटिव कमिटी में चेयरमैन, आनन्द जैन उपाध्यक्ष, मोहित मित्तल उपाध्यक्ष, संजीव बिंदलिश उपाध्यक्ष, सीए अरुण गुप्ता और कृष्ण कुमार बंसल मुख्य सलाहकार, दिलीप अग्रवाल महासचिव, विपिन गुप्ता संगठन मंत्री के अलावा कविता अग्रवाल को महिला इकाई की अध्यक्षा निर्वाचित की गई है।

दीपावली पर बाड़मेर विधानसभा को 150 करोड़ का बजट मिला

450 हैंडपंप और 80 ट्यूबवैल एक साथ स्वीकृत, बना इतिहास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर @ डालू जाखड़। शायद राजस्थान के इतिहास में

पहली बार कहे तो भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी जब किसी विधायक को एक साथ साढ़े चार सौ हैंडपंप और 80 ट्यूबवैल एक साथ स्वीकृत हुए हो, लेकिन ऐसा बाड़मेर विधायक डॉ प्रियंका चौधरी ने राज्य सरकार के साथ मिलकर कर दिखाया है। यह हकीकत है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने डीएमएफटी के तहत बाड़मेर विधानसभा को 66 करोड़ का बजट मिला है। इसमें 34.70 करोड़ तो सिर्फ पेयजल सुविधाओं के लिए खर्च होंगे। पहली बार एक साथ 450 हैंडपंप और 80 ट्यूबवैल की स्वीकृति भी मिली है। तीन बड़ी पेयजल स्कीम से जोगासरिया,कवास, भुरटिया को पानी मिलेगा। इसके अलावा अम्रत -2 के तहत 46 करोड़ रुपए के काम भी होंगे। हर घर तक मीठा पानी पहुंचाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

22 माह में विकास की गंगा

राज्य सरकार के कार्यकाल को लगभग बाइस माह का समय हुआ है। इस दौरान बाड़मेर विधायक डॉ प्रियंका चौधरी ने राज्य सरकार के सहयोग से बाड़मेर विधानसभा क्षेत्र में अरबों रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति दिलवाई है। जिसमें पेयजल, स्कूलों में भवन, सड़कें,पशु चिकित्सालय, लाइब्रेरी हाल, नवीन जीएसएस, उपस्वास्थ्य केंद्र, सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों विकास कार्य हुए हैं। और डॉ प्रियंका चौधरी अपने क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए हर समय चिंता करती रहती है और विकास कार्य भी करवा रही हैं। बाड़मेर जिले में सबसे ज्यादा विकास कार्य बाड़मेर विधानसभा क्षेत्र में हुए हैं।

शहर को पांच करोड़ का नमो पार्क

शहर के लोगों को स्वच्छ और प्राकृतिक सुंदरता वाले पार्क की जरूरत महसूस हो रही थी। इसके लिए पांच करोड़ की लागत से नमो पार्क बनाया जाएगा। इसके लिए जल्द ही भूमि आवंटित की जाएगी। इसके अलावा 50 स्कूलों में 70 कमरे भी बनेंगे। इस पर 7.80 करोड़ खर्च होंगे।

शहर की सड़कों के लिए 20 करोड़, गांवों को 17.84 करोड़

बाड़मेर विधायक डॉ चौधरी ने बताया कि शहर को 20 करोड़ की नवीन सड़कें दी है। और सड़कें बनाने का काम जारी है। ग्रामीण क्षेत्रों में 21नई सड़कों का निर्माण होगा इसके लिए 17.84 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

विकास के लिए प्रयासरत

बाड़मेर विधानसभा के विकास के लिए हर समय प्रयासरत एवं तत्पर हूं। राज्य सरकार बाड़मेर के लिए खूब बजट दे रही है। मेरे क्षेत्र की जनता को कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए मैं सदैव तैयार हूं। आने वाले समय में भी सड़क, पानी, शिक्षा पर बजट लाया जाएगा। बाड़मेर के विकास के लिए हर समय तत्पर हूं। - डॉ प्रियंका चौधरी, विधायक बाड़मेर

ईमानदारी की मिसालः ऑटो चालक ने यात्री का पर्स लौटाया, भीतर थे 18 हजार और जरूरी दस्तावेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर में ईमानदारी की एक मिसाल देखने को मिली, जब एक ऑटो चालक ने यात्री का पर्स सुरक्षित लौटाकर मानवता और सच्चाई की मिसाल कायम की। जानकारी के अनुसार, उज्जैन निवासी जगजीत आशानंद साहू 1 नवम्बर को चित्तौड़गढ़ घूमने आए थे। उन्होंने स्थानीय ऑटो से यात्रा की और शहर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया। इसी दौरान गलती से उन्होंने अपना पर्स ऑटो में ही भूल गए। ऑटो चालक कुम्भा नगर निवासी यासीन खां को जब वाहन में पर्स मिला, तो उसने पर्स खोलकर देखा जिसमें लगभग 17 से 18 हजार रुपये नकद, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अन्य जरूरी कागजात थे। पर्स में मौजूद आधार कार्ड पर दिए मोबाइल नंबर से संपर्क कर यासीन ने यात्री को सूचना दी कि उनका पर्स सुरक्षित है। इस पर जगजीत अज्ञानंद साहू ने तुरंत संपर्क किया और 2 नवम्बर की रात को चित्तौड़गढ़ पहुंचे। भारतीय ऑटो चालक यूनियन के नेतृत्व में यासीन ने पर्स यात्री को सुरक्षित लौटा दिया। पर्स मिलने पर जगजीत साहू ने राहत की सांस ली और ऑटो चालक यासीन तथा यूनियन की ईमानदारी की सराहना की। पर्स सौंपते दौरान भारतीय ऑटो चालक यूनियन के अध्यक्ष जसपाल सिंह अरोड़ा, अब्दुल जब्बार सहित अन्य ऑटो चालक मौजूद रहे।

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर

डूंगरपुर जिले के विभिन्न आदिवासी ब्लॉक मे रबी फसलों का किया बीज वितरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद के संस्थान केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर तहसील मालपुरा टोंक राजस्थान की अनुसूचित जनजाति उपयोजना मे बीते दिनों रबी की फसल (गेहूं की किस्म डीबीडब्लू-187, किस्म गिरिराज सरसो का बीज एवं चना की किस्म जीएनजी-1581) एवं किचन गार्डन के लिए सब्जियों की किट का आदिवासी किसानो खेत पर प्रदर्शन एवं वितरण निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर के मार्गदर्शन एवं नॉमित टीएसपी सदस्यों द्वारा किया गया।

निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर के मार्गदर्शन मे डूंगरपुर जिले के विभिन्न ब्लॉक के जनजाति किसानो के खेते पर प्रथम पंति प्रदर्शन हेतु उन्नत किस्मो का बीज वितरण कार्यक्रम केवीके दोवाडा एवं ग्राम पंचायत बोखला तहसील बिछिवाडा मे आयोजित डॉ रंगलाल मीना एवं रमन लाल कलसुवा के द्वारा किया गया।

डॉ रंगलाल मीना एवं केवीके टीम द्वारा दिये गये बीज के बोने से लेकर सभी प्रकार के क्रियाकलाप पर विस्तार से सम्बोधन कार्यक्रम मे पधारे जनजाति महिला एवं पुरुष किसानो को बताया एवं विभिन्न प्रकार के सवाल जवाब को लेकर किसान वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित हुई। तथा साथ मे अविकानगर संस्थान द्वारा चलाई जा रही टीएसपी उपयोजना के बारे मे जानकारी देते हुई अधिक से अधिक लाभक्रम मे डूंगरपुर जिले की विभिन्न तहसीलो के आदिवासी किसानो एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा भाग लेकर कार्यक्रम से लाभान्वित हुई। इस अवसर पर कार्यक्रम मे पधारी महिलाओ को तसला का भी वितरण टीएसपी टीम द्वारा बीज वितरण के साथ किया गया। अविकानगर के मीडिया प्रभारी डॉ अमरसिंह मीना ने दी जानकारी।

18वां व्यवसायिक भेड़ -बकरी एवं खरगोश पालन कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू

टोंक @ जागरूक जनता। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के संस्थान केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर द्वारा किसान घर सभागार मे आठ दिवसीय 18वां व्यवसायिक वैज्ञानिक भेड़ -बकरी एवं खरगोश पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अथिति पूर्व अंतर्राष्ट्रीय पशुधन अनुसन्धान संस्थान इंडिया प्रतिनिधि डॉ एच रहमान पूर्व उप-माहानिदेशक आईसीएआर नई दिल्ली, विशिष्ट अथिति के रूप मे डॉ गोपाल दिनाकर राज प्रोफेसर तनुवास तमिलनाडु एवं डॉ गोपाल गोवाने प्रधान वैज्ञानिक राष्ट्रीय डेरी अनुसन्धान संस्थान करनाल एवं अध्यक्षता निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर की उपस्थिती मे किया गया। जिसमे राजस्थान के नौ जिले के साथ दिल्ली से कुल 32 पुरुष प्रतिभागी भाग ले रहे है। मुख्य अथिति डॉ एच रहमान ने अपने सम्बोधन मे भेड़ बकरी को भविष्य का पशु बताते हुई उनके वैज्ञानिक तरीके से पालन करने की वर्तमान मे सबसे जरुरी बताया तथा प्रशिक्षण मे आये प्रतिभागियों से अपने देशी पररामपरगत ज्ञान मे इस प्रशिक्षण से आवश्यक बातो को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रस्तावित खनन परियोजना के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

भारजा में कंपनी का पुतला दहन, महिलाओं ने भी जताया आक्रोश- कहा, खेती की भूमि नहीं बनने देंगे बंजर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। पिण्डवाड़ा तहसील के वाटेरा, भीमाना, भारजा और रोहिड़ा क्षेत्र में प्रस्तावित चूना पत्थर खनन परियोजना के विरोध में ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को भारजा गांव में ग्रामीणों ने मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का विशालकाय पुतला बनाकर बस स्टैंड पर जलाया और कंपनी के खिलाफ जमकर हाय-हाय के नारे लगाए। इस दौरान गांव की महिलाएं भी भारी संख्या में मौजूद रहीं। महिलाओं ने छाती पीटकर आक्रोश व्यक्त किया और सिस्टम में बैठे जिम्मेदारों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। ग्रामीणों ने कहा कि अब वे किसी भी कीमत पर इस परियोजना को स्वीकार नहीं करेंगे।

500 करोड़ का सच बताए सरकार

ग्रामीणों ने सिरोही भाजपा के जिला मंत्री पवन राठौड़ के 500 करोड़ रुपये के बयान पर भी कड़े सवाल उठाए। ग्रामीणों ने पूछा– "यह 500 करोड़ रुपये आखिर किन-किन लोगों में बांटे गए? क्योंकि भाजपा जिला महामंत्री ने स्वयं गांव के बीच में माइक पर कहा था की 500 करोड़ रूपये तो केवल मुंह बंद करने के आये है। वही मुख्यमंत्री इस मामले पर चुप क्यों हैं? खेती की उपजाऊ भूमि को बंजर बताने की रिपोर्ट आखिर किसने तैयार की?" ग्रामीणों का कहना है कि करीब डेढ़ महीने से क्षेत्रवासी सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन न तो राज्य सरकार और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधि उनकी पीड़ा सुनने पहुंचे हैं।

किस बड़े नेता का हाथ

गांव के लोगों ने आरोप लगाया कि इस खनन परियोजना को गुप्त तरीके से आगे बढ़ाया गया है, जिससे संदेह होता है कि इसके पीछे किसी बड़े नेता या अधिकारी का हाथ तो नहीं है..? "इतनी बड़ी खनन परियोजना को बिना जनसहमति और पारदर्शिता के आगे क्यों बढ़ाया गया?"

मतदान के बहिष्कार की चेतावनी

ग्रामीणों ने साफ कहा कि अगर सरकार ने इस परियोजना को निरस्त नहीं किया, तो वे आगामी समस्त चुनावों में मतदान का बहिष्कार करेंगे।

नेताओं की दोहरी भूमिका

ग्रामीणों ने स्थानीय व जिले के जनप्रतिनिधियों पर भी उपेक्षा और निष्क्रियता के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जब जनता आंदोलन कर रही है, तब नेता मैदान से गायब हैं। "खेलकूद प्रतियोगिताओं और मंचीय कार्यक्रमों में तो आने का समय है, लेकिन जनता की तकलीफ सुनने का समय नही।लोगों ने चेतावनी दी कि जब तक परियोजना पूरी तरह रद्द नहीं होती, नेताओं और कंपनी के पुतले जलाने का सिलसिला जारी रहेगा।

800 हेक्टेयर भूमि पर प्रस्तावित परियोजना

जानकारी अनुसार, पिण्डवाड़ा क्षेत्र के वाटेरा, भीमाना, रोहिड़ा, भारजा, करीब 800.9935 हेक्टेयर भूमि पर चूना पत्थर खनन परियोजना प्रस्तावित है। ग्रामीणों का कहना है कि यह परियोजना खेती, पर्यावरण और जलस्रोतों के लिए घातक सिद्ध होगी। जल, जमीन और जंगल तबाह हो जायेंगे। यह लड़ाई अब अस्तित्व और आने वाली पीढ़ियों की रक्षा की लड़ाई बन चुकी है। जब तक सरकार इस परियोजना को पूर्ण रूप से निरस्त नहीं करती, आंदोलन इसी तरह जारी रहेगा। नेताओं की कार्यशैली और भूमिया पर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाये है।

रोटरी क्लब ऑफ अर्बुदांचल द्वारा देव झूलनी एकादशी पर की पशु आहार चारा भेट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। देव झूलनी एकादशी के पावन अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ अर्बुदांचल, माउंट आबू ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए खुशी सेवार्थ ट्रस्ट में गौ सेवा एक ट्रॉली चारा पशु आहार के रूप में वितरित कर पुनित पुण्य कार्य किया गौ सेवा भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है, और इस सेवा कार्य के माध्यम से क्लब ने समाज में सेवा, दया और एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्य मनवीराज सिंह गेहलोत, देवांग अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, विकास वोरा, अमित भाटी, सुरज वैष्णव तथा विशाल कलवाणी सहित खुशी सेवार्थ ट्रस्ट के संचालक पूर्व प्राध्यापक विष्णु कुमार कौशिक व अधिवक्ता गौरव कौशिक उपस्थित रहे। रोटरी क्लब ऑफ अर्बुदांचल निरंतर इसी प्रकार समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण और मानवता के उत्थान हेतु कार्य करता रहेगा।

पंचकर्म सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, संजीवनी आयुर्वेद चिकित्साल्य में नई यूनिट शुरु

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सा लय में मंगलवार को चिकित्सा सेवाओं को और उन्नत बनाते हुए तीन नई यूनिट पंचकर्म सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में शुरुआत की गई। इन यूनिट्स का उद्घाटन कुलगुरु प्रोफेसर वैद्य गोविंद सहाय शुक्ल के कर कमलो द्वारा किया गया।

नव प्रारम्भित यूनिट्स निम्न प्रकार हैं

1. एक्सीलेंस बाल पंचकर्म यूनिट (विशिष्ट बाल पंचकर्म यूनिट) 2. पंचकर्म सेंटर आफ एक्सीलेंस क्रिया कर्म यूनिट। 3.माइनर पंचकर्म प्रोसीजर यूनिट (अग्निकर्म आदि) इन यूनिट्स के माध्यम से विशेष रूप से–बाल रोगों जैसे सेरेब्रल पाल्सी, मस्कुलर डिस्ट्रोफी, ऑटिज्म आदि में विशिष्ट पंचकर्म उपचार। नेत्र रोग मायोपिया, ग्लूकोमा, माइग्रेन आदि में विशिष्ट पंचकर्म सुक्ष्म उपक्रम इकाई (अग्निकर्म आदि) ।

कुलगुरु बताया की इन यूनिट के माध्यम से रोगियों को गुणवतापूर्ण चिकित्सा उपलब्ध करवाई जायेगी। वैज्ञानिक प्रोटोकॉल आधारित आयुर्वेद उपचार ही आने वाले समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर पंचकर्म विभाग विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश शर्मा ने नए डिस्प्ले बोर्ड्स और क्लीनिकल प्रोटोकॉल चार्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में चिकित्सालय अधीक्षक प्रोफेसर गोविंद प्रसाद गुप्ता, उप कुलसचिव डॉ. मनोज अदलखा, उपाधिक्षक डॉ. ब्रह्मनंद शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा, पंचकर्म विभाग के सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. अचला राम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित, पंचकर्म स्टाफ् एवं समस्त स्नातकोतर अध्येता उपस्थित रहे।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म

दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

रामानन्दाचार्य जयंती की तैयारियां शुरू

रामानंद आश्रम में मनाया जाएगा 36वां महोत्सव

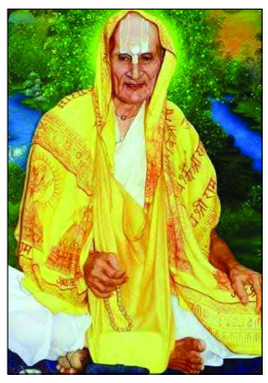

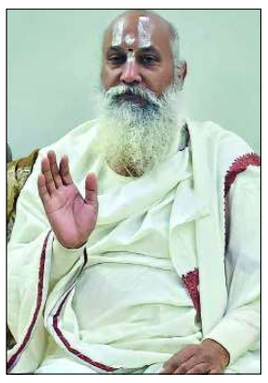

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गोवर्धन (यूपी)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश के गोवर्धन धाम में स्थित रामानंद आश्रम में मनाए जाने वाले जगद्गुरु रामानंदाचार्य की जयंती महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। महोत्सव के आयोजक श्री रामानन्द आश्रम धर्मार्थ सेवा समिति ट्रस्ट दानघाटी व श्री शंकर राज कुटी, कंचन वाला हनुमानजी मंदिर जमुना धाम कॉलोनी के अध्यक्ष राम अनुग्रह दास महाराज ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि यह महोत्सव गोलोकवासी श्रीकृष्णदास कंचन महाराज की प्रेरणा से पिछले 36 वर्षों से संचालित हो रहा है। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए आगामी 23 जनवरी 2026 से 3 फरवरी 2026 तक श्री रामानन्दाचार्य जयन्ती महोत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाभाद्वाराचार्य स्वामी सुतीक्षणदेव महाराज करेंगे। कार्यक्रम के संरक्षक पं. शंकरलाल चतुर्वेदी महामंत्री श्री रामानन्दाश्रम होंगे। गोवर्धन दानघाटी परिक्रमा मार्ग स्थित रामानंद आश्रम में मनाए जाने वाले महोत्सव में राम महायज्ञ के आचार्य रोहित चतुर्वेदी होंगे एवं रामायण पाठ व्यास उपेन्द्र नाथ शास्त्री करेंगे। इस दौरान प्रतिदिन वृन्दावन की श्री आदर्श रामलीला मंडल द्वारा रामलीला का मंचन, संगीतमय हनुमान चालीसा, गीत गोविन्द भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बसंत पंचमी 23 जनवरी को महंताई समारोह कार्यक्रम का आयोजन होगा जिसमें श्री गोवर्धन पीठाधीश्वर श्रीकृष्णदास कंचन महाराज की गद्दी पर श्रीराम अनुग्रहदास महाराज को विराजमान किया जाएगा, जिसमें प्रथम चादर गुरुजी नाभा पीठाधीश्वर सुतीक्षण दासजी महाराज द्वारा ओढ़ाई जाएगी। फिर सभी महंत चादर पहनाएंगे। कार्यक्रम में महंत मदन मोहनदास, निर्मोही अखाड़ा महंत अशोक नारायण दास, निर्वाणी अखाड़ा महंत अमरदास महाराज, महतं डॉ. दीन बंधुदास महंत फूलडोल दास महाराज समेत अनेक संतों ने महोत्सव में शामिल होने की स्वीकृति प्रदान की है।

सरकार फिस्कल डेफिसिट के लक्ष्य को हासिल करेगी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जताया भरोसा

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को भरोसा जताया कि सरकार मार्च, 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4 फीसदी के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को हासिल कर लेगी। वित्त मंत्री ने फरवरी में संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट में 2025-26 में राजकोषीय घाटा 15.69 लाख करोड़ रुपये यानी सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था, जबकि 2024-25 में यह 4.8 फीसदी था। सीतारमण ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स (DSE) में हीरक जयंती समापन समारोह को संबोधित करने के बाद छात्रों से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, "ईश्वर की इच्छा और प्रधानमंत्री से मिले हर समर्थन के साथ, हम राजकोषीय घाटे के उस लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

ISRO ने बाहुबली से सबसे भारी सैटलाइट लॉन्च कर रचा इतिहास

दुश्मन की हर हरकत पर होगी नज़र

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने रविवार को अपने भारी भरकम प्रक्षेपण यान LVM3-M5 (बाहुबली) से अब तक के सबसे भारी कम्युनिकेशन सैटलाइट CMS-03 को अंतरिक्ष में भेजा। CMS-03 का वजन 4,410 किलोग्राम है। यह लॉन्च आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शाम 5:26 बजे हुआ। इस सैटलाइट से दुश्मन की हर हरकत पर होगी नज़र। ISRO के अनुसार, यह भारतीय जमीन के साथ ही बड़े समुद्री इलाके में सर्विस देगा।

CMS-03 क्या करेगा?

यह कम्युनिकेशन सैटलाइट है, यानी यह भारत में मोबाइल नेटवर्क, टीवी, इंटरनेट और समुद्री संचार को और मजबूत करेगा। पूरे भारत और आसपास के महासागरीय क्षेत्रों को कवर करेगा।

LVM3-M5 क्यों है बाहुबली?

इसकी ताकत इतनी ज्यादा है कि यह 4 टन से भारी सैटलाइट को अंतरिक्ष में ले जा सकता है। इसकी ऊंचाई 43.5 मीटर है, यानी करीब 15 मंजिला इमारत जितनी।

3 स्टेज में काम करता है LVM3

- **S200 बूस्टर:** लॉन्च के वक्त जबरदस्त धक्का देते है।
- **L110 लिक्विड इंजन:** बीच के सफर में रफ्तार बढ़ाता है।
- **C25 क्रायोजेनिक इंजन:** सैटलाइट को सही कक्षा में पहुंचाता है।

यह सैटलाइट क्यों जरूरी

यह हिंद महासागर के बड़े इलाके सहित पूरे भारतीय इलाके को सर्विस देगा।

पुराने हो चुके GSAT-7 (रुक्मिणी) की जगह लेगा, जो नौसेना का मुख्य आधार है।

यह सैटलाइट नौसेना के ऑपरेशन्स, एयर डिफेंस और स्ट्रैटजिक कमांड कंट्रोल के लिए रीयल टाइम कम्युनिकेशन मुहैया कराएगा।

जियोस्टेशनरी ऑर्बिट (GEO) यानी धरती से 36,000 किलोमीटर ऊपर की गोल कक्षा में यह रहेगा। यहां से पृथ्वी को देख सकेगा।

करगिल के सबक से शुरू हुआ प्रोजेक्ट

1999 में करगिल युद्ध के दौरान पहाड़ों की ऊंची चोटियों पर घुसपैठिए थे। सेना को सटीक लोकेशन के लिए GPS की जरूरत थी। भारत ने अमेरिका से मदद मांगी लेकिन उन्होंने मना कर दिया। जंग खत्म होने के बाद भारत ने दो मोर्चों पर काम चालू किया...

- **GPS:** 2006 में IRNSS प्रॉजेक्ट शुरू हुआ, जो आज NavIC है। ये 7 सैटलाइट्स का ग्रुप है, जो भारत और आसपास के 1500 किमी इलाके में सटीक लोकेशन देता है।
- **GSAT:** ये स्वदेशी कम्युनिकेशन सैटलाइट्स की सीरीज है, जो डिजिटल टीवी, इंटरनेट, वॉइस कॉल्स, डेटा ट्रांसमिशन और ब्रॉडकास्टिंग में काम आते हैं।

क्यों खास है यह लॉन्च

पहली बार इतना भारी सैटलाइट भारत की जमीन से छोड़ा गया।

भारी सैटलाइट्स के लिए विदेशी रॉकेट्स पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

यह वही रॉकेट है जिसने चंद्रयान-3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचाया था।

और कहां फायदा होगा

डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ेगी: गांव, पहाड़ और समुद्र के सुदूर इलाकों में नेटवर्क की पहुंच होगी। कॉल, टीवी प्रसारण और ऑनलाइन सेवाएं ज्यादा तेज मिलेंगी।

शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार: जिन इलाकों में स्कूल या कॉलेज नहीं है, वहां बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। गांवों और द्वीपों में लोगों तक डॉक्टर की कनेक्टिविटी होगी।

आपात स्थिति में मदद: तूफान, बाढ़ या भूकंप जैसी स्थितियों में भी संपर्क और संदेश सेवा चालू रहेगी। राहत दलों के पास बेहतर सूचना और कोऑर्डिनेशन सिस्टम होगा।

नौसेना और तटीय सुरक्षा को बल: युद्धपोत, पनडुब्बी और विमान रीयल टाइम संपर्क में रहेंगे। समुद्री सीमाओं पर निगरानी और संचालन अधिक सटीक और सुरक्षित होंगे।

आत्मनिर्भर और सशक्त स्पेस: भारत अब भारी सैटलाइट खुद लॉन्च कर सकेगा, जिससे विदेशी निर्भरता घटेगी। LVM3 रॉकेट भारत को वैश्विक स्पेस जगह दिलाएगा।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा